राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत-गुजरात,संस्करण मंगलवार,२९ दिसंबर २०२० वर्ष-३, अंक -३३० पृष्ठ-०८ मूल्य-०१रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नए साल पर सताएगी 'दिल्ली की सर्दी', हिमाचल-उत्तराखंड में बर्फबारी

नई दिल्ली। देश में सर्दी का सितम फिलहाल जारी रहने वाला है। एक तरफ जहां हिमाचल में बर्फबारी जारी है तो दूसरी तरफ दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान में पारा लुढ़कता जा रहा है। मौसम विभाग की मानें तो दिल्ली एनसीआर में 30 दिसंबर से बर्फीली हवाएं चलेंगी जिससे पारा लुढ़केगा वहीं हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी से कई रास्ते बंद हो गए हैं और उत्तराखंड में भी बर्फबारी के साथ ही बारिश की आशंका जताई गई है। राजस्थान में शीतलहर को लेकर ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है तो वहीं कश्मीर में चिल्लई कलां के कारण पारा शून्य से कई डिग्री नीचे जा चुका है।

अभी और सताएगी दिल्ली की सर्दी-पहाड़ों पर बर्फबारी का असर दिल्ली-एनसीआर पर दिखेगा। यहां 30 दिसंबर से ठंडी-बर्फीली हवाएं चलेंगी। मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिमी विक्षोभ की वजह से यह शीतलहर 3 जनवरी तक जारी रह सकती है और इस दौरान न्यूनतम तापमान 3 से 4 डिग्री तक गिर सकता है। इतना ही नहीं राजधानी दिल्ली को ठंड के साथ ही जहरीली हवा भी झेलनी पड़ेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, फिलहाल दिल्ली की हवा की गुणवत्ता मॉडरेट से पुअर कैटगरी के बीच रह सकती है।

पंजाब हरियाणा में भी ठंड का कहर-मौसम विभाग के मुताबिक, रविवार और सोमवार को पंजाब-हरियाणा में बारिश होने की संभावना है। शनिवार को हरियाणा के नरनौल में न्यूनतम तापमान 3.3 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था। वहीं, पंजाब के गुरदासपुर में न्यूनतम तापमान 2 डिग्री सेल्सियस था। दोनों राज्यों की संयुक्त राजधानी और केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में भी कड़ाके की ठंड पड़ रही है और रविवार को यहां का न्यूनतम तापमान 4.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कश्मीर में रविवार को शीतलहर और तेज हो गई और समूची घाटी में न्यूनतम तापमान शून्य से कई डिग्री सेल्सियस नीचे गिर गया।

भारत को चीन का करारा जवाब

चीनी नागरिकों की यात्रा पर प्रतिबंध लगाने के दिए एयरलाइंस को दिए आदेश

नई दिल्ली। भारत ने चीन को करारा जवाब देते हुए अपने सभी एयरलाइंस से चीनी नागरिकों की भारत में यात्रा पर प्रतिबंध लगाने के लिए कहा है। हालांकि यह आदेश अनौपचारिक है, लेकिन इसे चीन को करार जवाब देने के तौर पर देखा जा रहा है। आपको बता दें कि नवंबर में ही ड्रैगन ने भारतीय यात्रियों के लिए इसी तरह के आदेश पारित किए थे।

दोनों देशों के बीच उड़ानें काफी दिनों से निलंबित हैं, लेकिन चीनी यात्री दूसरे देश होते हुए भारत पहुंच रहे हैं, जिसके साथ हवाई यात्रा बाधित नहीं है। इसके अलावा, ऐसे देशों में रहने वाले चीनी नागरिक भी काम और व्यापार के लिए वहां से भारत आ रहे हैं।

टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले सप्ताह के अंत में भारतीय और विदेशी दोनों एयरलाइनों को विशेष रूप से कहा गया है कि वे चीनी नागरिकों को भारत न भेजें।

दोनों देशों के बीच उड़ानें काफी दिनों से निलंबित हैं, लेकिन चीनी यात्री दूसरे देश होते हुए भारत पहुंच रहे हैं, जिसके साथ हवाई यात्रा बाधित नहीं है।

फिलहाल भारत में पर्यटक वीजा निलंबित है, लेकिन विदेशियों को काम पर और गैर-पर्यटक वीजा की कुछ अन्य श्रेणियों में यात्रा करने की अनुमति है। सूत्रों का कहना है कि भारत में उड़ान भरने वाले अधिकांश चीनी नागरिक यूरोप होते हुए यहां आते हैं।

कुछ एयरलाइनों को अधिकारियों ने लिखित में देने के लिए कहा है ताकि वे भारत के लिए उड़ान के लिए बुक किए गए चीनी नागरिकों को वर्तमान मानदंडों के अनुसार मना करने का कारण दे सकें।

भारत की प्रतिक्रिया तब आई है जब भारतीय मल्लाह विभिन्न चीनी बंदरगाहों में फंसे हुए हैं, क्योंकि चीन उन्हें किनारे पर या यहां तक कि चालक दल को बदलने की अनुमति देने से इनकार कर रहा है। इससे लगभग 1,500 भारतीय प्रभावित हुए हैं क्योंकि वे घर वापस नहीं आ सकते हैं। नवंबर की शुरुआत में, चीन ने महामारी के कारण भारत सहित कुछ देशों से वैध चीनी वीजा या निवास परमिट रखने वाले विदेशी नागरिकों के प्रवेश को निलंबित कर दिया था। भारत में चीनी दूतावास ने 5 नवंबर को अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा था, भारत में चीनी दूतावास / वाणिज्य दूतावास वीजा या निवास परमिट की उपरोक्त श्रेणियों के धारकों के लिए स्वास्थ्य घोषणा पत्र पर मुहर नहीं लगाएगा।

कोविड-19 वैक्सीन-पंजाब, आंध्र प्रदेश, असम, गुजरात में शुरू होगा ड्राय रन

नई दिल्ली। सरकार का लक्ष्य है कि जनवरी से देश में कोरोना वैक्सीन का टीकाकरण अभियान शुरू हो जाए, इसके लिए केंद्र सरकार चार राज्यों- में टीकाकरण का ड्राय रन शुरू करने जा रही है। पंजाब, असम, आंध्र प्रदेश और गुजरात में कल से टीकाकरण का ड्राय रन शुरू होगा। टीकाकरण का अभ्यास दो दिनों के लिए लगातार 28 और 29 दिसंबर को प्रत्येक दो जिलों में चलेगा। इस पूरी प्रक्रिया में कोई वैक्सीन शामिल नहीं होगी, इसमें केवल योजना की व्यवहार्यता की जांच होगी. जहां को-विन सह- ऐप के जरिए वास्तविक समय की निगरानी करना शामिल है। बता दें कि अभी तक भारत में आपातकालीन उपयोग के लिए किसी भी वैक्सीन को मंजूरी नहीं मिली है. लेकिन इस दौड़ में कई दावेदार हैं और भारत में टेस्ट और सीरम इंस्टीट्यूट द्वारा निर्मित ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राज़ेनेका वैक्सीन सब में आगे चल रही है। एक बार जब यूके ड्रग रेगुलेटर वैक्सीन को अपनी मंजूरी दे देता है, तो केंद्रीय ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गनाइजेशन की एक बैठक आयोजित करने की संभावना है जहां विवरण की समीक्षा की जाएगी और मूल्यांकन के बाद मंजूरी दी जाएगी।कोविड -19 टीकाकरण के लिए, राज्य प्रतिरक्षण अधिकारियों, कोल्ड चेन अधिकारियों, सूचना, शिक्षा और संचार अधिकारियों और विकास भागीदारों के राष्ट्रीय स्तर के प्रशिक्षण के दौरान 2,360 प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया गया था।

इस तरह पूरा होगा ड्राय रन-

1. यह एक मॉक ड्रिल होगी। टीके को छोड़कर सभी चीजों का परीक्षण किया जाएगा। डेटा को को-विन ऐप में फीड किया जाएगा, कोल्ड स्टोरेज का परीक्षण किया जाएगा, कोल्ड स्टोरेज से साइटों तक टीकों के परिवहन, साइटों पर ट्रैफिक प्रबंधन की जाँच की जाएगी।

2. टीकाकरण के लिए, जितनी संभव हो उतनी साइटों का उपयोग किया जाएगा। इसलिए, ड्राय रन भी सभी विभिन्न सेटिंग्स - जिला अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों या प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल केंद्र, शहरी स्थल, निजी स्वास्थ्य सुविधा और ग्रामीण आउटरीच में आयोजित किया जाएगा।

3. अभ्यास का उद्देश्य चुनौतियों की पहचान करना और योजना में आवश्यक परिवर्तन करना है ताकि अंतिम प्रक्रिया में कोई गलती न हो जाए।

4. कार्यक्रम प्रबंधकों को हाथों-हाथ अनुभव मिलेगा कि विभिन्न स्तरों पर सब कुछ कैसे होगा।

5. मॉक ड्रिल में ब्लॉक और जिला स्तरों पर समवर्ती निगरानी और समीक्षा, राज्य और केंद्र के साथ साझा किए जाने वाले फीडबैक की तैयारी शामिल होगी।

राहुल गांधी विदेश रवाना, कांग्रेस के 136वें स्थापना दिवस में नहीं होंगे शामिल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता और सांसद राहुल गांधी एक बार छुट्टियां मनाने के लिए विदेश रवाना हो गए हैं। हालांकि, पार्टी ने यह जानकारी नहीं दी है कि वह कहां गए हैं लेकिन राहुल ऐसे समय में यात्रा पर गए हैं जब 28 दिसंबर यानी आज कांग्रेस अपना 136वां स्थापना दिवस मनाएगी। राहुल गांधी इस कार्यक्रम में शामिल नहीं होंगे। पार्टी के मीडिया प्रभारी रणदीप सिंह सुरजेवाला ने बताया कि राहुल गांधी फिलहाल छोटे निजी दौरे पर निकले हैं। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि राहुल कहां गए गैं। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी रविवार सुबह रवाना हुए और अगले कुछ दिनों तक वह वापस नहीं लौटेंगे। सूत्रों ने बताया कि राहुल गांधी सुबह कतर एयरवेज की उड़ान से इटली में मिलान रवाना हुए। राहुल गांधी की नानी इटली में रहती हैं और वह पहले भी उनसे मिलने गए थे। राहुल गांधी निगम चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन पर चर्चा के लिए बुलाई केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी के नेताओं की बैठक में भी नहीं रहेंगे। राज्य के प्रभारी तारिक अनवर यह समीक्षा बैठक कर रहे हैं। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी ने सभी राज्य इकाइयों को 28 दिसंबर को अलग-अलग अभियानों के जरिए पार्टी स्थापना दिवस मनाने को कहा है। इसमें 'तिरंगा यात्रा' और 'सेल्फी विद तिरंगा' जैसे अभियान शामिल हैं। देश में जारी किसान आंदोलन

के बीच राहुल गांधी का यह विदेश दौरा हो रहा है। बीते हफ्ते ही राहुल गांधी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद से मुलाकात की थी और उन्हें कृषि कानूनों के खिलाफ 2 करोड़ किसानों के हस्ताक्षर वाला ज्ञापन सौंपा था।

कोविड-19-लॉकडाउन के बाद गांव में हुए 7 महीने, फिर भी वापसी की चाहत नहीं रखते प्रवासी मजदूर

नई दिल्ली। बी अजुर्म पात्रो को अपनी तीन साल की बेटी और पती के साथ वापस ओडिशा के गंजम जिले में अपने मनापल्ली गांव के अपने घर आए लगभग सात महीने हो चुके हैं। अर्जुम इस साल फरवरी में अपने पति बी घाना पात्रो के साथ मनापल्ली की 30 अन्य महिलाओं के साथ आई थीं। दोनों के घाना और उनका 20 साल का बेटा कैलाश एक निर्माण स्थल पर काम किया करते थे। अजुर्म ने ईंटों को उठाते थे और चेन्नई के केके नगर इलाके में एक निर्माणाधीन स्थल में प्रतिदिन 350-400 रुपये में सीमेंट और रेत का मिश्रण तैयार किया करते थे। उनके राजमिस्त्री को 700 रुपये मिलते थे और बेटे को 400 रुपये। जब 25 मार्च को लॉकडाउन हुआ तो तीनों को अपनी नौकरी से हाथ धोना पड़ा। उनके जीवित रहने और उनकी तीन साल की बेटी स्मृतिल्खा की सेहत से चिंतित, दंपति अपने जीवन की बचाने में जुट गए और मई में अपने घर जाने के लिए बस की दो सीटों के लिए 9,000 रुपये का भुगतान किया। भारत में कोविड -19 के मामलों में काफी कमी आई है, लेकिन अजुर्म और घाना वापस घर जाने के बावजूद उत्सुक नहीं हैं। अर्जुम कहते हैं, कम पैसों के साथ यहां जीवन कठिन है, हम दूसरों के खेतों में काम करके पेट भर

खाने के लायक कमा पाते हैं। लेकिन मैं चेन्नई वापस नहीं जाना चाहता जहाँ जीवन ज्यादा कठिन है। चेन्नई में हमने जो पैसा कमाया था, वो इससे कहीं अधिक था। लेकिन मुझे नहीं लगता कि मैं अपनी तीन साल की बेटी के साथ एक दूसरे शहर जाने के लिए तैयार हूं। घाना परिवार का पहला प्रवासी श्रमिक थे, जिसने 2015 में एक निर्माण स्थल पर काम के लिए अहमदाबाद की यात्रा की, फिर मुंबई और अंत में चेन्नई चला गया। उनके बेटे कैलाश ने 2019 में हाई स्कूल की पढ़ाई पूरी करने के बाद उनका साथ दिया। चेन्नई से लौटने के बाद से, भूमिहीन पेट्रो दंपति शेयर क्रॉपर के रूप में खेतों में काम करते हैं। फसल का जो हिस्सा उन्हें मिलता है वह परिवार के लिए मुश्किल से पर्याप्त होता है। इसके अलावा, काम भी हर दिन उपलब्ध नहीं है। अजुर्म राष्ट्रीय ग्रामीण नौकरियों की गारंटी योजना का जिक्र करते हुए कहते हैं, ज्यादा एनआरईजीएस [राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम] काम भी उपलब्ध नहीं है। हालाँकि, मेरे गाँव की कुछ महिलाएँ और पुरुष तालाबंदी के बाद चेन्नई और अन्य स्थानों पर चले गए हैं, फिर भी मुझे मई के अनुभव के बाद फिर से जाने की हिम्मत नहीं है। कैलाश, जिन्होंने अपने चाचा के दाह संस्कार में भाग लेने के लिए सितंबर में गांव का रूख किया था, वह भी वापस जाने के मूड में नहीं है। कैलाश कहते हैं, मैं अपनी पारिवारिक आय के लिए चेन्नई गया था।

बिहार में मेडिकल कॉलेजों में हड़ताल से मरीज बेहाल, जूनियर डॉक्टर अपनी मांगों पर अड़े

पटना। बिहार में जूनियर डॉक्टरों की हड़ताल से राज्य के मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में उपचार की व्यवस्था चरमरा गई है। पीएमसीएच, एनएमसीएच, डीएमसीएच सहित सभी अस्पतालों से मरीज पलायन कर गए हैं। रविवार को पांचवें दिन भी जूनियर डॉक्टरों ने हड़ताल जारी रखी। स्टाइपेंड की मांग पूरी होने तक हड़ताल जारी रखने का एलान किया है। पीएमसीएच, एनएमसीएच की स्वास्थ्य व्यवस्था पूरी तरह से बेपटरी हो गई है। पीएमसीएच में भर्ती मरीजों को भारी फजीहत का सामना करना पड़ रहा है। वार्ड हो अथवा आईसीयू रविवार को छुट्टी का दिन होने से सीनियर डॉक्टर वार्ड में मरीजों की सुधि लेने नहीं पहुंचे। कुछ डॉक्टर सिर्फ दिखावे के लिए राउंड लेकर ड्यूटी पूरी करते दिखे। उधर, एक बार फिर पीएमसीएच प्रशासन ने वार्ता कर हड़ताल खत्म कराने का प्रयास किया पर बिना कोई ठोस आश्वासन के जूनियर डॉक्टर काम पर लौटने को राजी नहीं हुए। देर शाम मांगों को लेकर जूनियर डॉक्टरों ने प्राचार्य दफ्तर से पीएमसीएच मुख्य गेट तक कैंडल मार्च निकाला।

हड़तालियों पर कड़ाई के निर्देश-जानकारी के अनुसार विभाग ने हड़ताल से कड़ाई से निपटने के मौखिक निर्देश दिए हैं। इसके तहत हॉस्टल खाली कराने से लेकर उन पर केस करने और रजिस्ट्रेशन कैंसिल कराने की प्रक्रिया शुरू करने के निर्देश प्राचार्य को मिले हैं।

काम पर लौटने से इनकार-अस्पताल अधीक्षक डॉ. बिमल कारक ने कहा कि कई बार जूनियर डॉक्टरों से बात कर हड़ताल समाप्त कराने का प्रयास किया गया लेकिन बिना स्टाइपेंड वृद्धि के लिखित आश्वासन के उन लोगों ने कार्य पर लौटने से इनकार कर दिया।

नये साल 2021 में बिहार में जॉब की भरमार, इन विभागों में मिलेंगी ढाई लाख नौकरियां

पटना। नई साल में बिहार में स्थायी, नियोजित और संविदा आधारित पदों पर लाखों की संख्या में नौकरी मिलनेवाली है। कई पदों पर बहाली की प्रक्रिया जारी है, जो नए साल में पूरी कर ली जाएगी। इसके लिए सरकार के विभागों और कार्यालयों में रिक्त पदों का ब्योरा जुटाया जा रहा है। नई सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही अधिकारियों को रिक्तियां जुटाने का टास्क सौंपा गया था। संभावना है कि विभिन्न श्रेणी के हजारों रिक्त पदों पर बहाली होगी। राज्य सरकार स्थायी नौकरियां देने के अलावा नियोजित और संविदा आधारित पदों पर भी बहाली की तैयारी में है। माना जा रहा है कि वर्ष 2021 में राज्य सरकार के अधीन ढाई लाख से ज्यादा नौकरियां मिलेंगी।

शिक्षा और गृह में सबसे ज्यादा बहाली

फिलहाल करीब दो लाख पदों पर बहाली की प्रक्रिया जारी है। इनमें सिर्फ शिक्षा विभाग में ही सहायक प्राध्यापक और शिक्षक के डेढ़ लाख से ज्यादा पद हैं, जिनपर नियुक्तियां होनी है। गृह विभाग के अधीन दारोगा, सार्जेंट, सहायक जेल अधीक्षक और सिपाही के हजारों पदों पर बहाली भी अंतिम चरण में हैं। इसके अलावा दारोगा और सिपाही के 10 हजार से ज्यादा पदों के लिए आवेदन लिए जा चुके हैं। जल्द ही प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगी। पंचायती राज, स्वास्थ्य, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, परिवहन, नगर विकास एवं आवास, वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के अधीन बहाली हो रही है। इनमें इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक कॉलेजों में शिक्षक और गैर शैक्षणिक पद पर भी नियुक्तियां शामिल हैं। पंचायती राज विभाग के अधीन ऑडिटर, प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी, लेखापाल और तकनीकी सहायक के पदों पर बहाली होनी है। बीपीएससी और बिहार एसएससी द्वारा भी तीन हजार से ज्यादा पदों पर बहाली की प्रक्रिया चल रही है।

शिक्षा विभाग

प्रारंभिक शिक्षक-94000

माध्यमिक-उच्च माध्यमिक शिक्षक-30020

सहायक प्रध्यापक-4638

उत्क्रमित हाईस्कूल प्लस टू-33000 पदों पर बहाली आएगी

परिवहन विभाग

प्रवर्तन अवर निरीक्षक-212

चलंत दस्ता सिपाही-1381

वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग

वनों के क्षेत्र पदाधिकारी-43

वनपाल-236

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

इंजीनियरिंग व पॉलिटेक्निक कॉलेज में शिक्षक- 3000,

गैर शैक्षणिक पद- 5000

बिहार लोक सेवा आयोग की 64वीं, 65वीं व 66वीं के पद-1393,

वैज्ञानिकों, नेताओं और WHO की तिकड़ी ने बदला जनता का मन, 60 फीसदी लोग टीका लेने को राजी

नई दिल्ली। कोरोना वैक्सीन के शुरुआती चरण से लेकर जब तक टीका बना तब तक इसको लेकर लोगों के मन में तरह-तरह की भ्रांतियां थीं। टीका लगाने से लोग हिचकिचा रहे थे, लेकिन वैज्ञानिकों, नेताओं और डब्ल्यूएचओ की तिकड़ी ने इसके प्रति जनता का मन बदल दिया। इन तीनों के सामूहिक प्रयास से टीके पर भरोसा करने वाले लोगों की संख्या में भारी इजाफा हुआ है।

सर्वे में लोगों ने वैक्सीन लगाने की जताई इच्छा

गैलप, कैसर फैमिली फाउंडेशन और प्यू रिसर्च सेंटर के सर्वे में यह खुलासा हुआ है कि टीका लगाने वाले लोगों की संख्या में 50 फीसदी का इजाफा हुआ है। सर्वे में भाग लेने वालों ने कहा कि वे अब वैक्सीन लेने के लिए तैयार हैं। अब करीब 60 फीसदी लोग टीका लगवाने के लिए राजी हो गए हैं। एक अन्य सर्वेक्षण में 73 प्रतिशत लोगों ने इच्छा जताई है। हालांकि कुछ विशेषज्ञों ने कहा कि यह हर्ड इम्युनिटी विकसित करने के लिए काफी है।

टीके का विरोध करने वाले जेब में रखें नोट-जर्मन डॉक्टर

जर्मनी में वैक्सीन लेने या न लेने पर विवाद छिड़ गया है। जर्मनी के एक वैज्ञानिक का कहना है कि जो लोग वैक्सीन का विरोध कर रहे हैं, उन्हें वक्त पड़ने पर आईसीयू और वेंटिलेटर भी दूसरों के लिए छोड़ देना चाहिए। आनुवांशिकी विज्ञानी जेनेटिसिस्ट वोल्फराम हेन ने कहा कि जो कोई भी सीधे तौर पर टीकाकरण से इनकार कर रहा है, वह कृपया

अपने साथ ये नोट भी रखें, जिसमें लिखा हो कि मैं टीका नहीं लगवाना चाहता हूं। ऐसे लोगों को यह भी कहना चाहिए कि मैं चाहता हूं कि अगर मैं बीमार हुआ तो मैं इंटेसिव केयर बेड और वेंटिलेटर को दूसरों के लिए छोड़ दूंगा।

टीके को लेकर हुए प्रदर्शन में 20 हजार जुटे-जर्मनी में हाल के समय में कोरोना वायरस की रोकथाम को लेकर उठाए गए प्रशासनिक कदमों के खिलाफ प्रदर्शन हुए हैं। राजधानी बर्लिन समेत कुछ और शहरों में हुए इन प्रदर्शनों में अच्छी खासी संख्या में लोगों ने भाग लिया। लाइपजिंग शहर में तो 20,000 से ज्यादा लोग जमा हुए। वायरस की दूसरी और ज्यादा बड़ी लहर के कारण जर्मनी में 16 दिसंबर से 10 जनवरी तक लॉकडाउन लागू किया गया है, लेकिन लॉकडाउन के बावजूद सप्ताहांत में बर्लिन और श्टुटगार्ट जैसे शहरों में प्रदर्शन हुए।

नेताओं ने टीके लगाकर संदेश दिया

दुनिया के तमाम बड़े नेताओं ने सबसे पहले कोविड-19 का टीका लगाकर लोगों को संदेश दिया है। वैक्सीन लगाकर उन्होंने यह संदेश देने का प्रयास किया है कि टीके पूरी तरह सुरक्षित है। टीके लगवाने के लिए लोगों को आगे आना चाहिए। इसको लेकर कोई किंतु परंतु नहीं हो। सऊदी अरब के प्रिंस सलमान, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेत्नयाहू और अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने वैक्सीन की पहली खुराक ले ली है।

डब्ल्यूएचओ ने टीके के लिए प्रेरित किया

विश्व स्वास्थ्य संगठन ने टीके लगवाने के लिए लोगों को हमेशा प्रेरित किया है। उसने वैक्सीन को लेकर उत्पन्न भ्रम की स्थितियों को दूर करने की हर संभव कोशिश की। इस संबंध संगठन ने कभी लोगों से अपील की तो कभी दिशा-निर्देश जारी सचेत किया। इसके अलावा संगठन ने वीडियो जारी कर भी लोगों को आगाह किया।

वैज्ञानिक भी पीछे नहीं रहे-टीके को लेकर उत्पन्न भ्रम की स्थितियों को दूर करने के लिए सबसे पहले वैज्ञानिकों ने अपनी भूमिका निभाई। उन्होंने समय-समय पर शोध कर लोगों को सही स्थिति से अवगत कराया। अमेरिकी सीडीसी के प्रमुख डॉ. फाउसी भी इसको लेकर दिशा-निर्देश जारी किया। अमेरिका में कोरोना से दुनिया में सबसे ज्यादा मौतें हुई हैं।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कृत्रिम बुद्धिमत्ता पर नजर

प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नैतिकता सुनिश्चित करने की किसी भी कोशिश का स्वागत और अनुकरण होना चाहिए। पिछले दिनों आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) अर्थात कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र में सबसे प्रतिष्ठित सम्मेलन का ऑनलाइन आयोजन हुआ है, जिसमें नैतिकता की दृष्टि से एक उदाहरण स्थापित करने की कोशिश हुई है। न्यूरल इन्फॉर्मेशन प्रोसेसिंग सिस्टम्स के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपनी प्रस्तुति देने वालों को अपने शोध से संबंधित यह जानकारी भी देनी थी कि उनका शोध कैसे समाज को प्रभावित करेगा। शोधकर्ताओं से यह भी पूछा गया कि क्या उनके शोध से समाज पर किसी नकारात्मक असर की आशंका है? यह एक बड़ी उपयोगी पहल है, जिसके लिए आयोजक बधाई के पात्र हैं। नेचर पत्रिका में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, आयोजकों ने नैतिक चिंताओं से संबंधित दस्तावेजों की जांच के लिए समीक्षकों का पैनल भी गठित किया है। इसके पीछे कोशिश है कि किसी भी ऐसे शोध को हतोत्साहित किया जाए, जिसका नकारात्मक इस्तेमाल मुमकिन हो। एआई विशेषज्ञ कनाडावासी जैक पॉल्सन कहते हैं कि लोगों को इस विषय पर सोचना चाहिए, क्योंकि आज इसका बहुत महत्व है। यह जरूरी है कि कृत्रिम बुद्धिमता अर्थात एआई के क्षेत्र में शोध की एक सकारात्मक संस्कृति विकसित हो। अच्छे उत्पादों या अच्छी सेवाओं का विकास हो। साथ ही, यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी एआई उत्पाद का दुरुपयोग न हो सके। तकनीक या प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में विगत वर्षों में नैतिकता संबंधी विवाद भी बढ़े हैं और चिंताएं भी। हम सब अच्छी तरह जानते हैं कि एआई की वजह से बड़ी संख्या में लोगों को परेशानी भी हो रही है और लोग शोषण के भी शिकार हो रहे हैं। सुविधा बढ़ाने की आड़ में ऐसी प्रौद्योगिकी का भी विकास किया जा रहा है, ताकि जल्दी से जल्दी लोगों के अर्ध-ज्ञान या अज्ञान का फायदा उठाकर कमाई की जा सके। इस क्षेत्र में तरक्की बहुत तेज है और दुनिया में पुलिस व्यवस्था इतनी कुशल नहीं है कि उच्च प्रौद्योगिकी के जरिए किए गए अपराधों को तत्काल पकड़ा जा सके। कई अपराध तो ऐसे भी हैं, जो विकसित देशों की पुलिस की पकड़ से भी बाहर हैं। ज्यादा चिंता प्रौद्योगिकी के उन उत्पादों या सेवाओं को लेकर है, जिनके जरिए आम लोगों को सीधे-सीधे छला जा रहा है। ऐसे में, यदि स्वयं वैज्ञानिक या शोधकर्ता ही सचेत हो जाएं, तो समस्याएं अपने आप सुलझ जाएंगी। लंदनवासी एआई विशेषज्ञ ईसन गैब्रियल कहते हैं, पहले 'टेक्नो आशावाद' का दौर था, लेकिन हाल के वर्षों में परिदृश्य बदल गया है। इसलिए नैतिकता सुनिश्चित करने की कोशिश करता यह उपयोगी सम्मेलन हर लिहाज से प्रशंसनीय है। सम्मेलन में 9,467 शोध पत्र रखे गए, जिनमें से चार शोध पत्रों को नैतिकता के आधार पर सीधे खारिज कर दिया गया। यह पूरी कवायद अच्छे भविष्य का संकेत है। इस सम्मेलन में उन प्रस्तुतियों पर भी आपत्ति की गई है, जिनमें लोगों के व्यक्तिगत डाटा, फोटो इत्यादि का उपयोग बिना मंजूरी किया गया था। भारत में भी डाटा दुरुपयोग पिछले दिनों बहुत बढ़ गया है। चूंकि भारत एआई के क्षेत्र में दुनिया के टॉप 20 देशों में गिना जाता है, और एआई शोध में तीसरे स्थान पर है, इसलिए यहां नैतिकता सुनिश्चित करने के प्रयास स्थानीय स्तर पर भी बहुत जरूरी हैं।

प्रकृति से क्रूरता की देन वायरस संकट

मुकुल व्यास

मनुष्य जाति को यदि भविष्य में वायरसों से उत्पन्न होने वाली महामारियों से बचना है तो उसे सबसे पहले पर्यावरण से संबंधित मुद्दों को सुलझाना पड़ेगा। कोविड-19 के विनाशकारी प्रभाव हम देख चुके हैं। इस बीमारी को फैलाने वाले कोरोना वायरस का वास्तविक स्रोत क्या है, इसको लेकर पूरे साल माथापच्ची होती रही। इस वायरस के लैब-निर्मित होने के बारे में कई तरह की कहानियां प्रचारित की गईं। लेकिन अधिकांश वैज्ञानिकों का मानना है कि कोविड-19 एक 'जूनॉटिक' रोग है। 'जूनॉटिक' रोग उसे कहते हैं जो जानवरों से मनुष्यों में पहुंचता है। वैज्ञानिकों ने उन कारणों को पहचानने की कोशिश की है, जिनकी वजह से ये वायरस जानवरों से मनुष्य में पहुंचते हैं। अध्ययनों में सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि स्तनपायी जीवों से मनुष्य में वायरस के जंप करने की घटनाएं कुदरत के साथ छेड़छाड़ करने के साथ जुड़ी हुई हैं। एक प्रजाति से दूसरी प्रजाति में वायरस के जंप करने को 'वायरस स्पिलोवर' भी कहा जाता है। इस तरह के स्पिलोवर का खतरा उस समय सबसे ज्यादा होता है जब प्रकृति के अत्यधिक दोहन और प्राकृतिक वास के विनाश से जंगली जानवरों को खतरा उत्पन्न हो जाता है। अभी हाल में एक नया खतरा सामने आया है। वायरस मनुष्यों से वापस जानवरों में भी पहुंच सकता है। संक्रमित जानवर पुनः इस वायरस से मनुष्यों को संक्रमित कर सकता है। डेनमार्क में एक संक्रमित मिंक (फरों वाला स्तनपायी जानवर) से वायरस के पुनः मनुष्यों में पहुंचने के बाद वहां करीब दो करोड़ मिंक मारने पड़े। ध्यान रहे कि मिंक के फरों से बने कोट बहुत महंगे बिकते हैं। डेनमार्क के अलावा अमेरिका से भी मिंक के संक्रमित होने की खबर मिली। अमेरिका के कुछ चिड़ियाघरों में कुछ शेर भी संक्रमित हो गए। वायरसों के इस तरह के विपरीत स्पिलोवर से भी हमें सजग रहना होगा। जानवरों से मनुष्य के बीच पहुंचने वाली बीमारियां बैक्टीरिया, परजीवियों, फफूंदी और वायरस द्वारा फैलाई जा सकती हैं। जानवरों द्वारा उत्पन्न कुछ बीमारियां आसानी के साथ मनुष्यों में पहुंच सकती हैं क्योंकि स्तनपायी जीवों की जैविक बनावट बहुत कुछ मनुष्यों जैसी होती है। यदि मनुष्य और जानवर काफी लंबे समय तक साथ रहते हैं तो उनमें रोग का हस्तांतरण ज्यादा आसान हो जाता है। मनुष्य अक्सर सूअरों और मवेशियों से फैलने वाली बीमारियों का शिकार हो जाता है। इसका एक बड़ा कारण यह है कि मनुष्य अपनी भोजन संबंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए सदियों से इन जानवरों को पाल रहा है। मनुष्यों में वायरस हस्तांतरण के मुख्य स्रोत चमगादड़ें और स्तनपायी जीव हो सकते हैं क्योंकि उनकी जैविक बनावट और वायरस के प्रति उनके इम्यून रेस्पांस में काफी समानता होती है। मनुष्यों के कारण जानवरों में उत्पन्न होने वाली स्ट्रेस से भी वायरस हस्तांतरण के चांस बढ़ते हैं। जब हम जानवरों को उनके कुदरती माहौल से पकड़ कर उनका व्यापार करते हैं तो उन्हें भारी तनाव का सामना करना पड़ता है। ऐसी स्थिति में वे ज्यादा वायरस उत्पन्न करते हैं। वायरसों की संख्या के अधिक होने का मतलब यह है कि शरीर से वायरस का परित्याग भी अधिक मात्रा में होगा। अतः पकड़े गए जानवर मानव आबादियों को वायरस से एक्सपोज करते हैं। रिसर्चरों ने जूनॉटिक वायरसों और जमीन पर विचरने वाले उनके मेजबान स्तनपायी जानवरों का अध्ययन किया। इसके लिए उन्होंने 2004 से 2013 तक के डेटा का अध्ययन किया। उन्होंने जिन 142 वायरसों का अध्ययन किया, उनमें 139 वायरसों के मेजबान स्तनपायी जीव थे। कुत्ते-बिल्लियों, मवेशियों, घोड़ों और भेड़ों जैसे पालतू स्तनपायी जीवों में कम से कम 50 प्रतिशत वायरस ऐसे हैं जो मनुष्यों में हस्तांतरित हो सकते हैं। चमगादड़, चूहों और प्राइमेट जीवों में भी जूनॉटिक रोगों की मात्रा का अनुपात बहुत ज्यादा है। विभिन्न प्रजातियों से जूनॉटिक वायरसों के फैलने का ज्यादा या कम खतरा कई कारणों पर निर्भर है। ऐसे जंगली स्तनपायी जानवर बहुत दुर्लभ हैं जो लुप्तप्राय प्रजातियों की सूची में आते हैं। अतः इनके मनुष्य से संपर्क में आने की संभावना कम होती है। इनकी आबादी कम होने के कारण इनमें परजीवियों की मौजूदगी भी कम होती है। जिन लुप्तप्राय प्रजातियों की आबादी शिकार और अवैध व्यापार जैसी गतिविधियों से कम हो रही है, उनमें जूनॉटिक वायरसों की संख्या अधिक होने की संभावना रहती है। रिसर्चरों का कहना है कि वन्य जीवन के शोषण और वन्य जीवों के अवैध व्यापार से मनुष्य और वन्यजीवों के बीच नजदीकियां बढ़ीं और इनसे वायरस के हस्तांतरण के मौके भी बढ़े। जलवायु परिवर्तन और वन्य जीवन की भूमिका के बारे में समाज में जागरूकता के अभाव से समस्या गंभीर हो गई है। प्राकृतिक वास और भोजन के अभाव में जंगली जानवर इधर-उधर भाग रहे हैं। इन स्थितियों में मनुष्य के साथ उनका संपर्क बढ़ रहा है। स्तनपायी जीवों की कम से कम 90 प्रतिशत प्रजातियों के वायरसों के बारे में समुचित जानकारी नहीं होने से समस्या ज्यादा विकट हो गई है। जानवरों से मनुष्यों में जंप करने वाले वायरसों के उदाहरणों में नीपा वायरस उल्लेखनीय है जो चमगादड़ों (फ्रूट बैट्स) से फैला था। चिंपैंजियों के कत्लेआम से एड्स संकट पैदा हुआ। हॉर्सशू बैट नामक चमगादड़ ने सार्स और 'मेकाक' बंदरों ने हर्पीज बी वायरस फैलाया। इस समय पृथ्वी को झकझोर देने वाले कोरोना वायरस की उत्पत्ति संभवतः एक चमगादड़ से या किसी अज्ञात जीव से हुई है। यह मुमकिन है कि यह वायरस गंभीर रूप से संक्रामक होने से पहले निम्न स्तर पर वर्षों से मनुष्यों के बीच घूम रहा हो। बहरहाल, सभी जूनॉटिक रोग महामारी के रूप में प्रकट नहीं होते। कुछ इन्फेक्शन निम्न स्तर पर रहते हैं और उनका पता भी नहीं चलता। इन्फेक्शन की गंभीरता वायरस की विशिष्टताओं पर निर्भर करती है। जैसे एक मेजबान जानवर से मनुष्य में जंप करने और फिर दूसरे मनुष्य में पहुंचने की उसकी क्षमता और उसके इन्फेक्शन की दर। भविष्य में वायरसों से होने वाली बीमारियों को रोकने के लिए हमें अपने स्वास्थ्य के साथ-साथ अपने पर्यावरण के स्वास्थ्य का भी ध्यान रखना पड़ेगा। हमें प्रकृति और वन्य जीवन के प्रति अपना रवैया बदलना पड़ेगा। वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड इंटरनेशनल के महानिदेशक मार्को लेम्बेरटिनी का कहना है कि हमें तत्काल प्रकृति के विनाश और मनुष्य के स्वास्थ्य से जुड़े कारणों को पहचानना पड़ेगा। यदि हमने ऐसा नहीं किया तो कोविड-19 जैसी महामारियां समय-समय पर प्रकट होती रहेंगी।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आज के ट्वीट

सेवा

जब देश की सेनाओं में कोई अपनी सेवा देता है, तो वह एक जज्बे के साथ जाता है, कि वह देश की हिफाजत करेगा मगर उसे इसका भी भरोसा होता है कि देश और समाज उसकी चिंता करेगा.

-- रक्षा मंत्री

ज्ञान गंगा

जीवन धरोहर

श्रीराम शर्मा आचार्य

कीचड़ में कमल उगना एक सुयोग है। आमतौर से उसमें गंदे कीड़े ही कुलबुलाते रहते हैं। जिन्होंने लोकप्रवाह में बहने के लिए आत्मसमर्पण कर दिया, समझना चाहिए उनके लिए नर-पशु स्तर का जीवनयापन ही भाग्य विधान जैसा बन गया। वे खाते, सोते, पाप बटोरते और रोते-कलपते मौत के मुंह में चले जाते हैं। सष्टा ने मनुष्य जीवन का बहुमूल्य जीवन धरोहर के रूप में दिया था, होना यह चाहिए था कि इस सुयोग का लाभ उठाकर अपनी अपूर्णता पूर्णता में बदली गई होती और विमानव की सेवा-साधना में संलग्न रहकर धन्य बना जाता, असंख्यों को सन्मार्ग में चलाकर सत्प्रवृत्तियों के संवर्धन का अजस पुण्य कमाया गया होता। यह तो बन नहीं पड़ता, उल्टे पाप का पिटारा सिर पर लादकर लंबे भविष्य को अंधकारमय बनाया जाता है। सत्यपरायणों और न्यायनिष्ठों को समय-समय पर दूसरों की सहायता भी मिलती रही है, इतिहास इसका साक्षी है। यदि ऐसा न हुआ होता तो बहुसंख्यक कुकर्मियों ने इस संसार की समूची शालीनता का भक्षण कर लिया होता। सत्यनिष्ठ एकाकी होने के कारण सर्वत्र पराजित-पराभूत हो गए होते किन्तु ऐसा हुआ नहीं। प्रह्लाद पथ के अनुयायी कष्ट सहकर भी अपनी विजय ध्वजा फहराते हैं। ईसा मरकर भी मरे नहीं, सुकरात की काया नष्ट होने पर भी उसका यश, वर्चस्व और दर्शन अपेक्षाकृत और भी प्रखर हुआ। गोवर्धन पर्वत उठाए जाने का संकल्प आरम्भ में असंभव लगता रहा होगा, पर समय ने सदुद्देश्य का साथ दिया। अपराधी प्रवृत्ति एक प्रकार की छूत वाली बीमारी है, जो पहले परिवार के नवोदित सदस्यों पर आक्रमण करती है। कुकर्मी लोगों की संतानें भी अनैतिक कार्यों में ही रु चि लेती हैं। इसके अतिरिक्त ऐसा भी होता है कि जिनके साथ उनकी घनिष्ठता है, उन्हें भी उसी पतन के गर्त में गिरने का कुयोग बने। ऐसे लोग प्रयत्नपूर्वक अपना संपर्क क्षेत्र बढ़ाते हैं और उद्धत आचरणों के फलस्वरूप तत्काल बड़े लाभ मिलने के सब्जबाग दिखाते हैं। आरम्भ में हिचकने वालों की हिम्मत बढ़ाने के लिए कितने ही इस आधार पर बड़े-बड़े लाभ प्राप्त कर लेने के मनगढ़ंत वृतांत सुनाते हैं। जिन्हें सच मानने और उस प्रकार का आचरण करने में अपनी भी उपयोगिता देखकर सहज ही तैयार हो जाते हैं।

आज का राशिफल

मेष व्यावसायिक योजना सफल होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

वृषभ बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें। धन लाभ होगा।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखकर वाद विवाद की स्थिति को टाला जा सकता है। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

कर्क आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य शिथिल होगा। विरोधी परास्त होंगे। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

सिंह प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

कन्या दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। खान पान में संयम रखें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

तुला आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। प्रणय संबंधों में कटुता आ सकती है। विरोधियों का पराभव होगा।

वृश्चिक आर्थिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। नेत्र विकार की संभावना है। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

धनु पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। ससुराल पक्ष से लाभ मिलेगा। धन लाभ की संभावना है।

मकर पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कुम्भ शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

कोरोना: न हो कोई ढिलाई

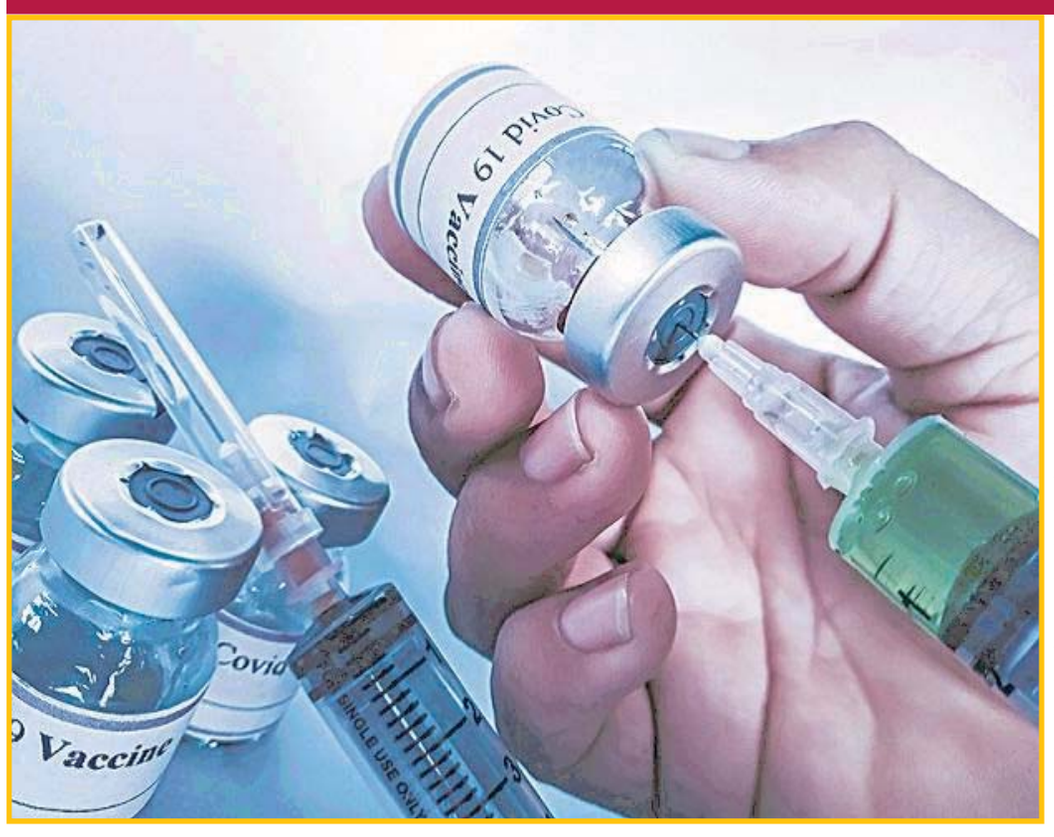

- ऋतुपर्ण दवे

इस सदी की वैश्विक महामारी कोरोना यानी कोविड-19 को दुनिया में दस्तक दिए पूरा एक साल बीत चुका है। कोरोना को लेकर पहली बार नया और दुनिया भर में चर्चित सच सामने आया कि यह इंसान के दिमाग का फितूर है जो चीन की प्रयोगशाला की करतूत है। कोरोना से हुई मौतों और दुनिया की मौजूदा आबादी के अनुपात को देखें तो थोड़ी राहत की बात यह है कि यह सजगता थी जो महामारी को बिना दवाई के काफी हद तक फैलने से रोका। लेकिन मेडिकल साइंस के लिए कोरोना अभी चुनौती बना हुआ है। जल्द इससे पूरी तरह छुटकारा मिल पाने की सोचना बेमानी होगी। साल भर में ही कोरोना के नए-नए रूप सामने आने लगे हैं। लोगों के सामने कोविड के असर, नए आकार-प्रकार और प्रभाव को लेकर निश्चित रूप से हर रोज नई-नई और चौंकाने वाली जानकारियाँ सामने आएंगी। स्वाभाविक है कि कई तरह के भ्रम भी होंगे लेकिन सबसे अहम यह कि दुष्प्रभावों और सावधानी का जो असर दिखा उसे ही दवा मानकर बहुरूपिया कोरोना को अबतक मात दी गई। चिन्ता की बात बस यही है कि लोग जानते हुए भी सतर्कता नहीं बरत रहे हैं, जो सबसे जरूरी है। यह तो मानना होगा कि कोरोना पूरी दुनिया के जीवन का फिलहाल तो हिस्सा बना ही हुआ है। आगे कबतक बना रहेगा नहीं पता। पता है तो बस यही कि कोरोना जल्द जाने वाला नहीं। सबको यही समझना होगा और कोरोना के साथ रहकर ही जीना होगा। इससे जीतने के लिए दवाई के साथ ही पूरी सावधानी, दक्षता और बदलते तौर-तरीकों को सीखना होगा। कबतक लॉकडाउन, नाइट कर्फ्यू रहे? कबतक हवाई, रेल और सड़क यातायात को रोका जाए? जाहिर है देश-दुनिया की अर्थव्यवस्था की यही तो धुरी हैं। अगर यही बार-बार थमेंगी तो व्यापार-व्यवसाय पर भी बुरा असर पड़ेगा जिसका खामियाजा आम और खास सभी को भुगतना होगा। हाँ, यह इक्कीसवीं सदी है, बड़ी से बड़ी चुनौती यहाँ तक कि चाँद और मंगल को भी छू लेने की सफलता का सेहरा बांधे दुनिया अब इस संक्रामक महामारी पर भी जीत हासिल करने की राह पर निकल पड़ी है। यह भी सच है कि किसी बड़े लक्ष्य या चुनौती से निपटने के लिए तैयारियाँ भी काफी पहले और बेहद लंबी-चौड़ी करनी पड़ती है। लेकिन यह तो एकाएक आई आपदा है, जिससे निपटने में वक्त तो लगेगा। बस इसी दौर को होशियारी से काटना होगा। देश में संभावित टीके को जनवरी में बाजार में उतारने की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। भारतीय औषधि नियामक की नजर ब्रिटेन पर है जो ऑक्सफोर्ड निर्मित कोविड-19 के टीके को इसी हफ्ते मंजूरी दे सकता है। यदि ऐसा हुआ तो केन्द्रीय औषध मानक नियंत्रण संगठन यानी सीडीएससीओ में कोविड-19 विशेषज्ञ समिति की बैठक होगी जिसमें देश-विदेश में क्लिनिकल ट्रायल से प्राप्त सुरक्षा एवं प्रतिरक्षा क्षमता के आंकड़ों की गहराई से समीक्षा होगी, उसके बाद ही भारत में टीके के आपात इस्तेमाल संबंधी मंजूरी मिल सकेगी। हालाकि वायरस के नए प्रकार के सामने आने से संभावित एवं विकसित होते टीकों पर किसी तरह के प्रभाव की संभावना से वैज्ञानिक फिलहाल इनकार कर रहे हैं। लेकिन सारा कुछ टीके के आने व उपयोग में लाने के बाद ही साफ हो पाएगा। फिलहाल दवा में सुअर की चर्बी के उपयोग की चर्चा के बीच नया विवाद भी उफान पर है। कुछ उपयोग के खिलाफ तो कुछ परिस्थितियों के देखते हुए उपयोग के पक्ष में। वहीं इतिहास बताता है कि कोई भी महामारी इतनी जल्दी कभी खत्म नहीं हुई है। हाँ फैलाव सतर्कता से ही रोका गया। बस कोविड-19 के साथ भी ऐसा ही जरूरी है। वैक्सीन आने के बाद सब तक पहुँचने और किसे पहले किसे बाद की प्राथमिकताओं के चलते लंबा वक्त लगना सुनिश्चित है। साथ ही कई बदलाव, प्रभाव और दुष्प्रभावों का भी दौर चलेगा। कोरोना के नित नए रूप, वैक्सीन और उसके उपयोग की ऊहापोह बीच बिना किसी साइड इफेक्ट के कोरोना से निपटने का कारगर मंत्र दो गज की दूरी, मास्क जरूरी- ये तो सबको पता है। बस यही समझना और इसे समझकर जंग जीतना होगा।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

वैश्विक संकेतों से सोना 185 रुपये चढ़ा, चांदी में 1,322 रुपये का उछाल

नयी दिल्ली, वैश्विक बाजारों में कीमती धातुओं के भाव में आई तेजी के अनुरूप दिल्ली सर्राफा बाजार में भी सोमवार को सोना 185 रुपये बढ़कर 49,757 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। एचडीएफसी सिक्युरिटीज ने यह जानकारी दी। इससे पिछले कारोबारी सत्र के दौरान पीली धातु का भाव 49,572 रुपये प्रति दस ग्राम पर बंद हुआ था। चांदी के भाव में भी तेजी रही। वैश्विक बाजारों की तेजी का समर्थन पाकर यहां भी चांदी का भाव 1,322 रुपये उछलकर 68,156 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गया। इससे पिछले दिन यह 66,834 रुपये प्रति किलो पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोना 1,885 डालर प्रति औंस पर ऊंचा रहा वहीं चांदी भी मजबूती के रुख में रहकर 26.32 डालर प्रति औंस पर बोली गई। एचडीएफसी सिक्युरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) तपन पटेल ने कहा, ''डालर में नरमी के चलते सोने के दाम में बढ़त हासिल हुई है। कोरोना वायरस के नये रूप और लॉकडाउन की चिंता को लेकर सोना बढ़ा है।''

समुद्री डकैती दो लाख से अधिक भारतीय नाविकों के लिए चिंता की बड़ी वजहः एमयूआई

नयी दिल्ली, कोविड-19 महामारी के दौरान समुद्री डकैती की बढ़ती घटनाओं के बीच समुद्री परिवहन के संगठन एमयूआई ने सोमवार को कहा कि ये दो लाख से अधिक भारतीय नाविकों के लिए चिंता की बड़ी वजह है। भारत में मर्चेंट नेवी के सबसे पुराने संगठन मैरीटाइम यूनियन ऑफ इंडिया (एमयूआई) ने कहा कि महामारी के कारण समुद्री डकैती में लगभग 26 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। एमयूआई ने एक बयान में कहा, ''समुद्री डकैती का खतरा दो लाख से अधिक भारतीय समुद्री नाविकों के लिए चिंता की एक प्रमुख वजह है, क्योंकि वैश्विक समुद्री नाविकों में भारत की लगभग 9.35 प्रतिशत हिस्सेदारी है।'' बयान में कहा गया कि अफ्रीका के पश्चिमी तट में बेनिन, अंगोला, इक्वेटोरियल गिनी और घाना में समुद्री डकैती का सबसे अधिक जोखिम है। एमयूआई के महासचिव अमर सिंह ठाकुर ने कहा, ''दुर्भाग्य से यह एक राजनीतिक मुद्दा बन गया है क्योंकि कुछ देशों की सरकारें समुद्री लुटेरों के विभिन्न समूहों पर नियंत्रण पाने में असमर्थ हैं या वे ऐसा करना ही नहीं चाहती हैं, और समुद्री डकैत बिना किसी कठिनाई के हथियार और गोला-बारूद जमा करते हैं।'' ठाकुर ने कहा कि थोड़े से धन के लालच में अविकसित देशों के कुछ नागरिक इस अवैध रास्ते पर आगे बढ़त हैं, जिससे भारतीय नागरिकों सहित दुनिया भर के समुद्री नाविक आतंकित हैं।

दिल्ली-एनसीआर में बढ़े प्याज, टमाटर समेत अन्य सब्जियों के खुदरा दाम

दिल्ली। सर्दी बढ़ने और किसान आंदोलन के चलते आवक प्रभावित होने से दिल्ली-एनसीआर में प्याज और टमाटर समेत अन्य हरी शाक-सब्जियों के दाम में बीते दो दिनों में डेढ़ गुना तक इजाफा हो गया है। हालांकि आलू के दाम में गिरावट ही आई है। प्याज का खुदरा दाम रविवार को दिल्ली-एनसीआर में 40 रुपये किलो रहा, जबकि दो दिन पहले भाव घटकर 25 रुपये प्रति किलो तक आ गया था। टमाटर का भाव दोगुना तक बढ़ गया है। टमाटर का खुदरा दाम रविवार को 40 रुपये प्रति किलो था। ग्रेटर नोएडा के सब्जी विक्रेता अरविंद कुमार ने बताया कि एक कैरट टमाटर जहां दो दिन पहले 300 रुपये का था वहां आज 600 रुपये का भाव था। उन्होंने कहा कि ठंड बढ़ने और किसान आंदोलन के कारण आवक प्रभावित होने से प्याज और टमाटर के साथ-साथ कई दूसरी सब्जियों और फलों के दाम में बीते दो दिनों में बढ़ोतरी हुई है। गाजर का खुदरा भाव रविवार को 30 रुपये किलो, बैगन 30 रुपये, करैला 80 रुपये, खीरा 40 रुपये, लौकी 30 रुपये टमाटर 40 रुपये, फूल गोभी 20 रुपये किलो और आलू 20 रुपये किलो दर्ज था। आलू और फूलगोभी के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जबकि अन्य सब्जियों और कुछ फलों के दाम में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। सेव का भाव 120 रुपये किलो और नारंगी 40 से 60 रुपये प्रति किलो बिका।

सकारात्मक वैश्विक रुख से सेंसेक्स, निफ्टी नयी ऊंचाई पर

मुंबई,

शेयर बाजारों में सोमवार को लगातार चौथे कारोबारी सत्र में तेजी का सिलसिला जारी रहा और सेंसेक्स तथा निफ्टी अपने नए उच्चस्तम स्तर पर पहुंच गए। वैश्विक बाजारों के सकारात्मक रुख से यहां भी धारणा मजबूत बनी रही। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 380.21 अंक या 0.81 प्रतिशत की बढ़त के साथ 47,353.75 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 47,406.72 अंक का नया सर्वकालिक उच्चस्तर भी छुआ।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 123.95 अंक या 0.90 प्रतिशत की बढ़त के साथ 13,873.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान इसने 13,885.30 अंक का अपना सर्वकालिक उच्चस्तर भी छुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाइटन, एसबीआई, एलएंडटी, इंडसइंड बैंक, अल्ट्राटेक सीमेंट, एचडीएफसी बैंक और एशियन पेंट्स के शेयर लाभ में रहे। वहीं दूसरी ओर हिंदुस्तान यूनिलीवर, सन फार्मा, डॉ. रेड्डीज और बजाज फिनसर्व के शेयरों में गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में 26 में लाभ रहा और चार में गिरावट आई। पिछले कारोबारी सत्र में बृहस्पतिवार को सेंसेक्स 529.36 अंक या 1.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 46,973.54 अंक पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 148.15 अंक या 1.09 प्रतिशत के लाभ से 13,749.25 अंक पर बंद हुआ था। शुक्रवार को क्रिसमस के अवसर पर बाजार बंद रहे। अन्य एशियाई बाजारों में चीन, जापान, दक्षिण कोरिया और हांगकांग उल्लेखनीय लाभ के साथ

बंद हुए। अमेरिका ने 2,300 अरब डॉलर के कोविड-19 महामारी पैकेज को मंजूरी दे दी है और यूरोपीय संघ और ब्रिटेन के बीच पिछले सप्ताह ब्रेक्जिट व्यापार करार हो चुका है, जिससे वैश्विक स्तर पर निवेशकों की धारणा सुधरी है। इस बीच, वैश्विक बेंचमार्क ब्रेंट कच्चा तेल वायदा 1.25 प्रतिशत की बढ़त के साथ 51.94 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

सेबी 18 जनवरी को सनहैवन एग्रो की संपत्तियों की नीलामी करेगा

नयी दिल्ली .बाजार नियामक सेबी निवेशकों के धन की वसूली के लिए सनहैवन एग्रो इंडिया लिमिटेड की संपत्तियों की नीलामी 18 जनवरी को करेगा, जिसके लिए आरक्षित मूल्य 9.4 करोड़ रुपये है। सनहैवन एग्रो ने सार्वजनिक निर्गम के नियमों का पालन किए बिना 7,700 से अधिक निवेशकों से भुनानेयोग्य तरजीही शेयर जारी करके धन जुटाया था। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने रविवार को एक नोटिस में कहा कि वह कंपनी की दो संपत्तियों को 9.4 करोड़ रुपये के आरक्षित मूल्य पर नीलाम करेगा। यह नीलामी 18 जनवरी 2021 को सुबह साढ़े 10 बजे से साढ़े 11 बजे के बीच ऑनलाइन आयोजित की जाएगी। नीलाम होने वाली संपत्तियां कोलकाता में हैं।

फेसबुक में अब यूजर्स को मिलेगा हार्डवेयर सुरक्षा कुंजी का विकल्प

नई दिल्ली।

डेटा की गोपनीयता और सुरक्षा का बेहतर ख्याल रखते हुए फेसबुक की तरफ से अगले साल उपयोगकर्ताओंको नए विकल्प दिए जाएंगे ताकि उनके अकांउट की सुरक्षा और अधिक बेहतर ढंग से हो सके। कंपनी के सुरक्षा नीति के प्रमुख नथानिएल ग्लीइकर ने एक बयान में कहा कि नए साल के लिए सोशल मीडिया की योजना यही है कि यूजर्स के लिए हार्डवेयर सुरक्षा कुंजी के विकल्प की शुरूआत की जाए। आमतौर पर हाई-प्रोफाइल अकांउट्स के लिए सुरक्षा कुंजी के इस्तेमाल की सलाह दी जाती है, लेकिन अगले साल से हर किसी अकांउट के लिए इसे उपलब्ध कराया जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, यूजर्स विभिन्न रिटेलर्स से व्यक्तिगत तौर पर इन टोकन्स या कुंजियों को खरीद पाने में सक्षम रहेंगे और इसी के साथ इन्हें ऑनलाइन भी खरीदा जा सकेगा। इसके बाद फेसबुक के साथ इसे रजिस्टर या पंजीकृत किया जा सकेगा। कंपनी के द्वारा अगले साल से अपने फेसबुक प्रोटेक्ट सिक्योरिटी प्रोग्राम का विस्तार कई अलग-अलग तरह के अकाउंट्स तक किया जाएगा, जिनमें पत्रकार, मानवधिकारों की रक्षा करने वाले कार्यकर्ता, सेलेब्रिटीज सहित वे सभी यूजर्स भी शामिल होंगे, जो भिन्न देशों के कुछ आने वाले प्रमुख चुनावों का हिस्सा होंगे। ग्लीइकर ने कहा कि हाई-प्रोफाइल वाले अकांउट के यूजर्स फेसबुक प्रोटेक्ट और सुरक्षा कुंजी दोनों का ही इस्तेमाल कर पाएंगे। अपने बयान में उन्होंने कहा है, हैकर्स के द्वारा महत्वपूर्ण लोगों के सोशल मीडिया हैंडल से जुड़े जानकारियों को लक्षित किया जाता है। आप कहीं के सीईओ या राजनीतिक उम्मीदवार नहीं है, तो इसका मतलब ये नहीं कि आप अपने क्षेत्र के एक महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं है या आपको टार्गेट नहीं किया जा सकता है। हैकर्स के खतरों से बचने के लिए फेसबुक प्रोटेक्ट में दो-कारक प्रमाणीकरण और रियल-टाइम मॉनिटरिंग शामिल है।

बिजली क्षेत्र में निर्बाध आपूर्ति, डिस्कॉम की वित्तीय सेहत को लेकर चुनौतियां

नयी दिल्ली,

बिजली क्षेत्र बीते दिनों महामारी से बुरी तरह प्रभावित होने के बाद सामान्य स्थिति में आने की जद्दोजहद कर रहा है और ऐसे में उसे सुधारों की जल्द से जल्द दरकार है। उपभोक्ताओं को 2021 तक निर्बाध बिजली आपूर्ति करने के सरकार के महत्वाकांक्षी लक्ष्य और बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की वित्तीय सेहत में सुधार के कदम उठाने के लिए ये सुधार जरूरी हैं। सरकार के सामने सबसे महत्वपूर्ण काम डिस्कॉम की बीमारी को दूर करने की है, जो नकदी संकट से जूझ रहे हैं और निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली उत्पादन कंपनियों (जेनकॉस) को भुगतान करने की स्थिति में नहीं हैं। बिजली की मांग पर और डिस्कॉम के बिल संग्रह पर भी कोरोना वायरस महामारी का भी नकारात्मक असर पड़ा। ऐसे में पहले से संकट का सामना कर रहे जेनकॉस के लिए परेशानियां बढ़ गईं। डिस्कॉम द्वारा भुगतान में देरी के कारण जेनकॉस के नकदी प्रवाह और वित्तीय स्थिति बिगड़ी। कोविड-19 के बाद आर्थिक गतिविधियां बहुत जल्द सामान्य स्थिति में नहीं आने वाली हैं, ऐसे में केंद्र और राज्य सरकारों को बिजली क्षेत्र में तनाव कम करने के लिए ठोस कदम उठाने होंगे। सरकार ने आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत इस साल जून 2020 तक डिस्कॉम के बिलों को चुकाने के लिए उन्हें 1,20,000 करोड़ रुपये की नकदी सहायता दी। इसके अलावा कोयला आपूर्ति को आसान बनाने के लिए ऋण पत्र (एलओसी) सुविधाएं शुरू की गईं। इन उपायों से नकदी की तंगी वाले जेनकॉस को उधारी चुकाने और कोयला आपूर्ति बरकरार रखने में मदद मिली। हालांकि, इन उपायों के बावजूद डिस्कॉम के सामने चुनौतियां बनी हुई हैं। बिजली मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक अक्टूबर 2020 के अंत में डिस्कॉम का कुल बकाया 1,39,021 करोड़ रुपये था, जो अक्टूबर 2019 के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक है। बिजली उत्पादक संघ (एपीपी) के महानिदेशक अशोक खुराना ने सुझाव दिया कि महामारी के प्रकोप के कारण डिस्कॉम के खराब बिल संग्रह को देखते हुए सरकार को नकदी सहायता बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वितरण कंपनियों की बिगड़ती वित्तीय सेहत सभी के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। खुराना ने पीटीआई-भाषा कहा, ''हालांकि, हमें उम्मीद है कि (बिजली) वितरण के निजीकरण पर जोर, नई टैरिफ नीति तैयार करने और बिजली क्षेत्र में बाजार आधारित आधारित उत्पादों की ओर सरकार का ध्यान बढ़ रहा है और इन उपायों से क्षेत्र को स्थाई विकास के रास्ते पर लाने में मदद मिलेगी।'' देश में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के बारे में बिजली मंत्री आर के सिंह ने पीटीआई-भाषा को बताया कि विद्युत (उपभोक्ताओं के अधिकार) नियम सेवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे। नियमों में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि डिस्कॉम सभी उपभोक्ताओं को 24 घंटे-सातों दिन बिजली की आपूर्ति करेंगे। हालांकि, बिजली नियामक आयोग कृषि जैसे कुछ श्रेणियों के उपभोक्ताओं के लिए कम घंटे की आपूर्ति तय कर सकता है। मंत्री ने बताया कि केंद्र के साथ ही राज्य नियामक भी उपभोक्ताओं की विभिन्न श्रेणियों के लिए कटौती की अधिकतम समय सीमा तय करेंगे और इससे चूक करने पर डिस्कॉम को उपभोक्ताओं को जुर्माना देना होगा। सिंह ने यह भी कहा कि उपभोक्ताओं को नए बिजली कनेक्शन, बिजली मीटरों की जांच और दोषपूर्ण मीटरों को बदलने जैसी सेवाएं एक तय समय के भीतर मिलेंगी।

नए साल में फंसे कर्ज से निपटने की बड़ी चुनौती होंगी बैंकों के सामने

नई दिल्ली:

नए साल में बैंकों के सामने फंसे कर्ज की समस्या से निपटना मुख्य चुनौती होगी। कई कंपनियों खासतौर से सूक्ष्म, लघु एवं मझौली (एमएसएमई) इकाइयों के समक्ष कोरोना वायरस महामारी से लगे झटके के कारण मजबूती से खड़े रहना संभव नहीं होगा जिसकी वजह से चालू वित्त वर्ष की शुरुआती तिमाहियों के दौरान अर्थव्यवस्था में भारी गिरावट देखी गई। बैंकों को आने वाले महीनों में कमजोर कर्ज वृद्धि की चुनौती से भी निपटना होगा। निजी क्षेत्र का निवेश इस दौरान कम रहने से कंपनी क्षेत्र में कर्ज वृद्धि पर असर पड़ा है। बैंकिंग तंत्र में नकदी की कमी नहीं है लेकिन इसके बावजूद कंपनी क्षेत्र से कर्ज की मांग धीमी बनी हुई है। बैंकों को उम्मीद है कि अर्थव्यवस्था में उम्मीद से बेहतर सुधार के चलते जल्द ही कर्ज मांग ढर्रे पर आएगी। देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में पहली तिमाही के दौरान जहां 23.9 प्रतिशत की गिरावट आई थी वहीं दूसरी तिमाही में यह काफी तेजी से कम होकर 7.5 प्रतिशत रह गई लेकिन उद्योग जगत के विश्वास और धारणा में अभी वह मजबूती नहीं दिखाई देती हैं जो सामान्य तौर पर होती है। पिछले कुछ सालों के दौरान निजी क्षेत्र का निवेश काफी कम बना हुआ है और अर्थव्यवस्था को उठाने का काम सार्वजनिक व्यय के दारोमदार पर टिका है। बैंकिंग क्षेत्र का जहां तक सवाल है वर्ष के शुरुआती महीनों में ही कोरोना वायरस के प्रसार से उसके कामकाज पर भी असर पड़ा।

गैर-निष्पादित राशि (एनपीए) यानी फेसे कर्ज से उसका पीछा छूटता हुआ नहीं दिखा। इस मामले में पहला बड़ा झटका मार्च में उस समय लगा जब रिजर्व बैंक ने संकट से घिरे यस बैंक के कामकाज पर रोक लगा दी। जैसे ही यस बैंक का मुद्दा संभलता दिखा तो अर्थव्यवस्था कोरोना वायरस महामारी की जकड में आ गई। देशव्यापी लॉकडाउन लगा दिया गया और संसद के बजट सत्र को भी समय से पहले ही स्थगित करना पड़ा। हालांकि, वर्ष के दौरान सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के विलय की प्रक्रिया को नहीं रुकने दिया। सार्वजनिक क्षेत्र के छह बैंकों को अन्य चार बैंकों के साथ मिला दिया गया। देश में बड़े वित्तीय संस्थानों को खड़ा करने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया। एक अप्रैल से यूनाइटेड बैंक आफ इंडिया और आरिएंटल बैंक आफ कामर्स को पंजाब नेशनल बैंक के साथ मिला दिया गया। इस विलय से पीएनबी देश का सार्वजनिक क्षेत्र का दूसरा बड़ा बैंक बन गया। वहीं आंध्र बैंक और कार्पोरेशन बैंक को मुंबई सथित यूनियन बैंक आफ इंडिया के साथ विलय कर दिया गया।

सिंडीकेट बैंक को केनरा बैंक के साथ वहीं इलाहाबाद बैंक का विलय चेन्नई स्थित इंडियन बैंक के साथ कर दिया गया। वित्त सेवाओं के विभाग के सचिव देबाशीष पांडा ने कहा, ''विलय करीब करीब स्थिर हो चला है लॉकडाउन के बावजूद यह काफी सुनियोजित तरीके से हो गया। बैंकों के विलय के शुरुआती सकारात्मक संकेत दिखने लगे हैं। उनका अब बड़ा पूंजी आधार है और उनकी कर्ज देने की क्षमता भी बढ़ी है। इसके अलावा विभिन्न बैंकों के उत्पाद भी विलय वाले लीड बैंक के साथ जुड़े हैं।%% कोरोना वायरस महामारी के कारण लगे लॉकडाउन के दौरान नौकरी जाने और आय का नुकसान उठाने वाले लोगों को राहत देते हुए रिजर्व बैंक ने बैंक कर्ज की किस्त के भुगतान से ग्राहकों को राहत दी। इस दौरान बैंकों के कर्ज एनपीए प्रक्रिया को भी स्थगित रखा गया। इसके बाद उच्चतम न्यायालय ने भी एनपीए मामलों की पहचान पर अगले आदेश तक के लिये रोक लगा दी। उच्चतम न्यायालय के आदेश पर बैंकों को दो करोड़ रुपए तक के कर्ज पर ब्याज पर ब्याज नहीं लेने को कहा गया। यह आदेश एक मार्च 2020 से अगले छह माह तक की कर्ज किस्त के मामले में दिया गया।

इससे सरकार पर 7,500 करोड़ रुपए के करीब अतिरिक्त बोझा पड़ने की संभावना है। रिजर्व बैंक के निर्देश के तहत बड़ी कंपनियों के लिए बैंकों ने एक बारगी कर्ज पुनर्गठन योजना को लागू किया। इसके लिए कड़े मानदंड तय किए गए। कोरोना वायरस के कारण दबाव में काम कर रही कंपनियों को इस योजना का लाभ उठाने के लिए दिसंबर तक का समय दिया गया। पांडा ने कहा जहां तक कर्ज मांग की बात है।

वर्ष के ज्यादातर समय यह कमजोर बनी रही। हालांकि, कृषि और खुदरा कर्ज के मामले में सितंबर के बाद से गतिविधियां कुछ बढ़ी हैं। एमएसएमई क्षेत्र में सरकार के हस्तक्षेप से शुरू की गई आपातकालीन ऋण सुविधा गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) के तहत मांग बढ़ी है।

नए साल में आम आदमी को झटका, जनवरी से महंगे हो सकते हैं टीवी-फ्रिज और वॉशिंग मशीन

बिजनेस डेस्क:

अगर आप एलईडी टीवी, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन जैसे अन्य टिकाऊ घरेलू सामान खरीदने का प्लान बना रहे हैं तो जल्द कीजिए। नए साल में यह चीजें महंगी होने वाली हैं। साल 2021 में इन चीजों की कीमत में करीब 10 फीसदी का इजाफा होने जा रहा है। कंपनियों का कहना है कि कॉपर, एल्युमीनियम और स्टील जैसे इनपुट मटीरियल्स की कीमत बढ़ने और समुद्री तथा हवाई मालभाड़े में बढ़ोतरी से कीमतों का बढ़ना तय है। इसके अलावा ग्लोबल वेंडर्स की कमी के कारण टीवी पैनल्स (ओपनसेल) की कीमतों में दोगुना से अधिक बढ़ोतरी हुई है। साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी से प्लास्टिक की कीमतों में तेजी आई है। एलजी, पैनासोनिक और थॉमसन जैसी कंपनियों का कहना है कि उनके पास जनवरी से कीमतें बढ़ाने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। हालांकि सोनी का कहना है कि वह अभी स्थिति की समीक्षा कर रही है और उसने अभी तक कीमतों को बढ़ाने के बारे में कोई फैसला नहीं किया है। पैनासोनिक इंडिया के प्रेजिडेंट और सीईओ मनीष शर्मा ने कहा, कमोडिटी की कीमतों में तेजी से निकट भविष्य में हमारे प्रोडक्ट्स की कीमतों में इजाफा हो सकता है। मुझे लगता है कि जनवरी में ही कीमतों में 6-7 फीसदी तेजी आएगी और वित्त वर्ष की पहली तिमाही तक यह 10-11 फीसदी तक जा सकती है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया 1 जनवरी से अपने सभी प्रोडक्टस की कीमत में कम से कम 7 से 8 फीसदी का इजाफा करने

जा रही है। एलजी इलेक्ट्रॉनिक्स इंडिया के वीपी (होम अप्लायंसेज) विजय बाबू ने कहा कि जनवरी से हम टीवी, वॉशिंग मशीन, रेफ्रिजरेटर आदि की कीमतों में 7 से 8 फीसदी इजाफा करने जा रहे हैं। कच्च माल और कॉपर तथा एल्युमीनियम जैसे मेटल्स की कीमतों में तेजी आई है। साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में तेजी से प्लास्टिक मटीरियल्स की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है।

वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सामान्य होने में लग सकता है उम्मीद से अधिक समय- इंडरा

नई दिल्ली:

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च (इंडरा) के मुताबिक भारत में व्यापक आर्थिक संकेतकों में सुधार के बावजूद वाणिज्यिक वाहनों की बिक्री सामान्य होने में उम्मीद से अधिक समय लग सकता है।

इंडरा ने कहा कि ई-कॉमर्स खंड में गतिविधियों में बढ़ोतरी के कारण हल्के वाणिज्यिक वाहनों (एलसीवी) खंड में सुधार की शुरुआत हो चुकी है लेकिन मध्यम और भारी वाणिज्यिक वाहन (एमएचसीवी) की बिक्री 2021-22 की चौथी तिमाही से पहले सामान्य होने की उम्मीद नहीं है।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि वित्त वर्ष 2020-21 में एमएचसीवी की बिक्री में पिछले साल के मुकाबले 35-45 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है, हालांकि एलसीवी की बिक्री में गिरावट 20-25 प्रतिशत तक रहने का अनुमान है। इंडरा ने एक बयान में कहा, ''वित्त वर्ष 2021-22 में उद्योग दो अंकों में वृद्धि हासिल कर सकता है। ऐसा खासतौर से वित्त वर्ष 2020-21 के कम आधार प्रभाव के चलते होगा।''

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों का हवाला देते हुए इंडरा ने कहा कि वाणिज्यिक वाहनों की खुदरा बिक्री में नवंबर 2020 में वृद्धि हुई (अक्टूबर के मुकाबले 13 प्रतिशत), हालांकि यह इससे पिछले साल दर्ज की गई औसत मासिक बिक्री से काफी कम है। नवंबर में बिक्री पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 31 प्रतिशत घटी थी।

आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 पर नया पैसेंजर ट्रैकिंग सिस्टम शुरू

नई दिल्ली।

राष्ट्रीय राजधानी के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय (आईजीआई) हवाईअड्डे ने सोमवार को प्रतीक्षा समय को कम करने, परिचालन क्षमता बढ़ाने और सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने के लिए यात्री प्रवाह का प्रबंधन करने के उद्देश्य से टर्मिनल-3 पर एक नई यात्री ट्रैकिंग प्रणाली शुरू की। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (डायल) के अनुसार, हवाईअड्डे पर यात्रियों को सुरक्षित और स्वच्छ वातावरण प्रदान करने के लिए कई इनोवेटिव उपाय पेश किए हैं। डायल ने एक बयान में कहा है कि उसने हवाईअड्डे के टर्मिनल-3 पर एक्सओविस का पीटीएस सॉफ्टवेयर लगाया है, जिससे किसी भी समय हवाईअड्डे के किस क्षेत्र में कितने यात्री हैं और यात्रियों को कितना इंतजार करना पड़ रहा है, इसकी रीयल टाइम की जानकारी मिलती रहेगी। कोविड-19 प्रोटोकॉल के हिस्से के रूप में यात्री प्रवाह के बेहतर प्रबंधन और सामाजिक दूरी जैसे मानदंडों का पालन सुनिश्चित करने के लिए यह प्रभावी कदम के तौर पर देखा जा रहा है। महामारी के समय पर मास्क पहनना, हाथों की सफाई और सामाजिक दूरी को बनाए रखना एक नई सामान्य दिनचर्या बनी हुई है और यह तकनीक इसमें खासा फायदा पहुंचा सकती है। टर्मिनल-3 दिल्ली हवाईअड्डे का अंतर्राष्ट्रीय टर्मिनल है। यहां प्रस्थान खंड के अलावा आगमन खंड में भी आव्रजन प्रक्रिया क्षेत्र में पीटीएस लगाया गया है। बयान में कहा गया है कि पीटीएस के लिए प्रस्थान क्षेत्र के सभी आठ प्रवेशद्वारों, सभी चेकइन काउंटरों, सुरक्षा जांच क्षेत्र और आव्रजन क्षेा में टर्मिनल की छतों पर सेंसर लगाए गए हैं। सेंसर हर यात्री के लिए स्क्रीन पर एक बिंदु बनाएगा। इस प्रकार किस क्षेत्र में कितने यात्री हैं और किस रफ्तार से प्रक्रिया पूरी हो रही है इसकी जानकारी मिलती रहेगी। एक्सोविस पीटीएस से टर्मिनल पर इंतजार का समय कम होगा। साथ ही, सामाजिक दूरी बनाए रखते हुए यात्रियों के सुगम प्रबंधन में भी मदद मिलेगी। जिस क्षेत्र में भीड़ बढ़ेगी, वहां पहले संबंधित टीम को अलर्ट भेजा जाएगा और अगर 10 मिनट के भीतर भीड़ कम नहीं हुई तो प्रबंधन में शामिल उच्चाधिकारियों के पास अलर्ट पहुंच जाएगा।

देश में इस्पात का उत्पादन नवंबर में 3.5 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली।

नए साल की शुरूआत से पहले ही, भारतीय इस्पात क्षेत्र ने नवंबर में कच्चे इस्पात के उत्पादन में 3.5 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए अपनी खोई हुई चमक वापस पा ली है। वर्ल्ड स्टील एसोसिएशन (डब्ल्यूएसए) की ओर से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार, देश का कच्चा इस्पात उत्पादन नवंबर महीने में 92.45 लाख टन रहा, जबकि पिछले साल इसी महीने के दौरान उत्पादन 89.33 लाख टन रहा था, जो आर्थिक गतिविधियों में एक बड़ी तेजी का संकेत दे रहा है। इस्पात उत्पादन में वृद्धि बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में देखी जाने वाली वृद्धि का एक संकेतक भी है, जहां अर्थव्यवस्था को सामान्य स्थिति में लाने के लिए सरकार की ओर से बहुत सी परियोजनाओं को आगे बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। डब्ल्यूएसए ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में यह भी दिखाया है कि इस्पात उद्योग न केवल भारत में रिकवरी के रास्ते पर है, बल्कि यहां के विकास में लगभग 64 प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में कच्चे इस्पात के उत्पादन के साथ एक बड़ी वैश्विक रिकवरी का हिस्सा भी है। कोविड-19 महामारी के कारण मौजूदा कठिनाइयों को देखते हुए इस महीने के आंकड़े को अगले महीने के उत्पादन अनुमान के साथ संशोधित किए जाने की संभावना है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि भारत 2019 में कच्चे इस्पात का दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक देश बन गया, जिसने जनवरी-दिसंबर की अवधि में पिछले वर्ष की इसी अवधि के मुकाबले 1.8 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अमेरिका में खेलना चाहता हूं : बार्सिलोना के कप्तान मेसी

मेड्रिड। स्पेनिश क्लब बार्सिलोना के कप्तान लियोनेल मेसी ने कहा है कि उन्हें उम्मीद है कि वह एक दिन जरूर अमेरिका में खेलेंगे। 33 साल के मेसी का बार्सिलोना के साथ जारी करार अगले साल समाप्त हो जाएगा और उसके बाद वह किसी भी अन्य क्लब के साथ करार करने के लिए फ्री होंगे। इस साल अगस्त में मेसी की बार्सिलोना टीम को बायर्न म्यूनिख से 2-8 से करारी हार झेलनी पड़ी थी और इसके बाद ऐसी खबरें आई थीं कि मेसी अब बार्सिलोना का दामन छोड़ना चाहते हैं। अर्जेंटीना के कप्तान मेसी ने स्पेनिश टीवी चैनल ला सेक्सटा से कहा, मुझे नहीं पता कि मैं क्या करने जा रहा हूं। मैं सीजन की समाप्ति तक इंतजार करूंगा। मैं अमेरिका में खेलना चाहता हूं और वहां के जीवन और लीग का अनुभव लेना चाहता हूं।इससे पहले, एक वेबसाइट ने खबर दी थी कि मैनचेस्टर सिटी मेसी को अपने साथ जोड़ने की रेस में सबसे आगे चल रहे हैं। हालांकि पीएसजी भी स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुई है और उनके कोच थॉमस तुचेल ने कहा था कि वह पीएसजी में मेसी का स्वागत करेंगे। मेसी ने कहा, फिलहाल टीम पर ध्यान लगाना और अच्छे से सीजन का समापन करना सबसे महत्वपूर्ण है। मैं अधिक से अधिक ट्रॉफी जीतने पर ध्यान लगा रहा हूं और चीजों को दूर रखना चाहता हूं।

आईएसएल-7

चेन्नइयन के सामने एटीके मोहन बागान को रोकने की चुनौती

बोम्बोलिम (गोवा)।

चेन्नइयन एफसी हीरो इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) के सातवें सीजन में मंगलवार को यहां जीएमसी स्टेडियम में मौजूदा चैम्पियन एटीके मोहन बागान की चुनौती का सामना करेगी। चेन्नइयन के लिए अच्छी बात यह है कि अब तक उसके छह अलग अलग खिलाड़ी ने गोल किए है। लेकिन एटीकेएमबी ने ओपन प्ले से अब तक एक भी गोल खाया है और ऐसे में मौजूदा चैम्पियन के खिलाफ कुछ करने के लिए चेन्नइयन के जैकब सिल्वेस्टर को बेहतर करना होगा। चेन्नइयन के कोच कसाबा लाजलो इस बात से खुश है कि उनके टीम के अलग अलग खिलाड़ी गोल कर रहे हैं और उन्होंने कहा है कि यह अचानक नहीं हुआ। लाजलो ने कहा, हमारे पास केवल एक गोलस्कोरर नहीं है। हमारे पास लेफट, राइड और मिडल से अलग अलग स्कोरर है। चेन्नइयन के चांग्ते ने पिछले मैच में ईस्ट बंगाल के खिलाफ गोल दागे थे जबकि लीग में सिल्वेस्टर का भी कनर्वजन रेट बहुत खराब है।

लाजला ने कहा, अगर मेरे मेन स्ट्राइकर्स गोल करते हैं, तो मैं बहुत खुश होऊंगा। पिछले मैच में हमने बहुत मौके गंवाए थे। लेकिन साथ ही मैं खुश हूं कि हमारे पास बहुत सारे इंडियन गोल स्कोरर हैं। मुझे लगता है कि यह भी महत्वपूर्ण है। दूसरी तरफ, एटीकेएमबी की टीम ने पिछले चार मैचों में अंतिम 15 मिनटों में गोल किए हैं। टीम को कोच एंटोनियो लापेज ने इस पर कहा, आप अपनी टीम को एक चीज के लिए तैयार करते हैं और प्रतिद्वंद्वी कुछ अलग कर सकते हैं। लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आपको अपने आइडिया को लेकर स्पष्ट रहना होगा। तब आप अपने प्रतिद्वंद्वी को काबू कर सकते हैं। एटीकेएमबी को इस मैच में जीत का दावेदार माना जा रहा है, लेकिन हबास जानते हैं कि लीग में कोई भी मैच आसान नहीं है। उन्होंने कहा, चेन्नइयन के पास बहुत अच्छे खिलाड़ी है और हमारे लिए यह एक मुश्किल मैच होने जा रहा है। मेरी टीम पूरे मैच पर अपना ध्यान देगी।

अमित शाह ने फिरोजशाह कोटला मैदान में जेटली की प्रतिमा का अनावरण किया

नई दिल्ली।

दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम स्थित फिरोजशाह कोटला मैदान में दिवंगत केंद्रीय मंत्री तथा दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के पूर्व अध्यक्ष अरुण जेटली की प्रतिमा का अनावरण किया गया। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जेटली की 68वीं जयंती के अवसर पर छह फुट ऊंची इस प्रतिमा का सोमवार को अनावरण किया। इस दौरान जेटली की पत्नी, उनके बेटे डीडीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली और बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली भी उपस्थित थे। जेटली 1999 से 2013 तक 14 साल तक डीडीसीए के अध्यक्ष रहे थे और अब उनके बेटे रोहन जेटली डीडीसीए के अध्यक्ष हैं। छह फुट ऊंची इस प्रतिमा की

कीमत लगभग 15 लाख रुपये है और इसका वजन लगभग 800 किलोग्राम है। मूर्ति को ढकने वाले घूंघट की कीमत 1.5 लाख रुपये है। जेटली की प्रतिमा स्टेडियम में लगाए जाने का फैसला अक्टूबर में आयोजित डीडीसीए की अपेक्स कार्उसिल की बैठक में किया गया था। बीते साल 12 सितम्बर को फिरोजशाह कोटला स्टेडियम का नाम अरुण जेटली स्टेडियम कर दिया गया था। यह स्टेडियम 1883 में बना था। जेटली की प्रतिमा का जिम्मा राम सुतर आर्ट क्रिएशंस प्राइवेट लिमिटेड और राम सुतर फाइन आर्टर्स प्राइवेट लिमिटेड पर है।

इन्हीं दो कंपनियों ने गुजरात में दुनिया की सबसे ऊंची सरदार पटेल की प्रतिमा बनाई थी। स्टेचू आफ यूनिटी नाम की यह प्रतिमा 597 फीट ऊंची है।

नागल को आस्ट्रेलियन ओपन में मिली वाइल्ड कार्ड एंट्री : रिपोर्ट

नई दिल्ली। भारत के पुरुष टेनिस खिलाड़ी सुमीत नागल को आस्ट्रेलियन ओपन-2021 के एकल वर्ग में वाइल्ड कार्ड एंट्री मिली है। ग्रैंड स्लैम की वेबसाइट ने हालांकि अभी तक इसकी पुष्टि नहीं की है लेकिन आस्ट्रेलियाई मीडिया ने अपनी रिपोर्टस में ये बात कही है कि नागल को वाइल्ड कार्ड मिला है। वहीं नागल ने भी ट्वीट के जरिए इस बारे में जानकारी दी है। नागल ने ट्वीट किया, मैं उन सभी लोगों का शुक्रिया अदा करता हूं जिन्होंने मुझे आस्ट्रेलियन ओपन-2021 में वाइल्ड कार्ड दिलाने में मदद की। इन स्थितियों में ग्रैंड स्लैम कराने के लिए टेनिस आस्ट्रेलिया का शुक्रिया। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड की रिपोर्ट के मुताबिक विश्व के नंबर-136वीं रैंकिंग वाले नागल और विश्व की 123वीं रैंकिंग वाले चीन के वांग जियू को एशिया-पैसिफिक वाइल्डकार्ड मिला है। साल का पहला ग्रैंड स्लैम इस बार 8 फरवरी से शुरू होगा।

22 साल में पहली बार आस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेलेंगे फेडरर

मेलबर्न।

करीब दो दशक से कोर्ट पर अपना दबदबा रखने वाले 20 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता स्विट्जरलैंड के रोजर फेडरर चोट के कारण अगले साल आस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पाएंगे। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, फेडरर अपने दाएं घुटने के दो आपरेशन के बाद इससे उबर रहे हैं और इसके कारण वह अपने 21 साल के करियर में पहली बार आस्ट्रेलियन ओपन में नहीं खेल पाएंगे। फेडरर ने अपने करियर में अब तक छह बार आस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता है। 39 साल के फेडरर को 2016 में भी इसी तरह की चोट की समस्या थी, लेकिन उस चोट से उबरने के बाद उन्होंने तीन ग्रैंड स्लैम खिताब जीते थे। लेकिन इस साल जनवरी के बाद से उन्होंने अब तक एक भी मैच नहीं खेला है। आस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट के निदेशक क्रैग टिले ने कहा, आगे आने वाले ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंटों के लिए खुद को फिट रखने के लिए रोजर बाहर हो गए हैं। फेडरर ने अब अपने करियर में अब तक लगातार 21 बार आस्ट्रेलियन ओपन टूर्नामेंट में भाग लिया है। इस साल आस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में उन्हें सर्बिया नोवाक जोकोविच से हार का सामना करना पड़ा था और वह उनका अंतिम प्रतिस्पर्धात्मक टूर्नामेंट था। स्विस मास्टर फेडरर की फरवरी में दाएं घुटने की सर्जरी हुई थी और ऐसी उम्मीद की जा रही थी कि जुलाई तक फिट हो जाएंगे, लेकिन

उससे पहले ही जून में उनकी एक और सर्जरी हुई थी और इसके कारण वह 2020 सीजन से बाहर हो गए थे। स्विटजरलैंड के खिलाड़ी फेडरर इस समय दुबई में अपनी ट्रेनिंग कर रहे हैं। आस्ट्रेलियन ओपन का आगाज 8 फरवरी से होगा और यह 21 फरवरी तक चलेगा। कोरोना के कारण हार्ड कोर्ट के इस इवेंट का आयोजन जनवरी की बजाय फरवरी में हो रहा है। आस्ट्रेलियन ओपन के लिए पुरुषों की क्वालीफाई इवेंट का आयोजन 10 से 13 जनवरी के बीच दोहा में होगा। इसके बाद खिलाड़ी मेलबर्न में जमा होंगे और 14 दिन के क्वारंटीन पर जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

विराट कोहली चुने गए आईसीसी के दशक के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर

दुबई। भारतीय कप्तान विराट कोहली को आईसीसी ने इस दशक के सर गारफील्ड सोबर्स अवार्ड से नवाजा है। यह पुरस्कार हर फॉरमेट में अपनी छाप छोड़ने वाले दशक के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को दिया जाता है। आईसीसी ने सोमवार को एक बयान जारी कर इस दशक के कई अवार्डस की घोषणा की। सर गारफील्ड सोबर्स के अलावा कोहली आईसीसी द्वारा इस दशक के सर्वश्रेष्ठ पुरुष वनडे क्रिकेटर चुने गए हैं। सर गारफील्ड सोबर्स अवार्ड उस खिलाड़ी को दिया जाता है जिसने टेस्ट, वनडे और टी-20, तीनों प्रारूपों में अच्छा किया हो। कोहली ने इस रेस में हमवतन रविचंद्रन अश्विन, आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ और न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन जैसे खिलाड़ियों को पछाड़ा है। वहीं आईसीसी के इस दशक के सर्वश्रेष्ठ पुरुष वनडे खिलाड़ी का अवार्ड भी कोहली के नाम रहा है। यहां कोहली ने महेंद्र सिंह धोनी, श्रीलंका के कुमार संगकारा, लसिथ मलिंगा, भारत के ही रोहित शर्मा, आस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क को पीछे छोड़ा है। कोहली हालांकि इस दशक के सर्वश्रेष्ठ पुरुष टेस्ट क्रिकेटर के अवार्ड में आस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ से रेस हार गए। कोहली के अलावा स्मिथ ने इस रेस में इंग्लैंड के जेम्स एंडरसन, जोए रूट, न्यूजीलैंड के केन विलियम्सन को पीछे किया। अफगानिस्तान के लेग स्पिनर राशिद खान को आईसीसी ने इस दशक का सर्वश्रेष्ठ टी-20 क्रिकेटर चुना है। राशिद ने टी-20 में तमाम देशों की लीगों में हिस्सा ले धूम मचाई तो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी वह बेहद कामयाब रहे। रेस में वेस्टइंडीज के क्रिस गेल, आस्ट्रेलिया के एरॉन फिंच, भारत के विराट कोहली, रोहित शर्मा, दक्षिण अफ्रीका के इमरान ताहिर, राशिद से पीछे रहे गए। भारत को दो बार विश्व विजेता बनाने वाले कप्तान धोनी भी एक अवार्ड अपने नाम करने में सफल रहे हैं जो उन्हें उनकी खेल भावना दर्शाने के लिए दिया गया है। धोनी ने 2011 में इंग्लैंड दौरे पर ट्रेंट ब्रिज मैदान पर खेले गए टेस्ट मैच में मेजबान टीम के बल्लेबाज इयान बेल को विवादित रन आउट के बाद वापस बल्लेबाजी के लिए बुलाया था। आईसीसी ने इसके लिए धोनी को इस दशक का स्प्रिट ऑफ क्रिकेट अवार्ड दिया है।

प्रीमियर लीग : वेस्ट हैम ने ब्राइटन संग बांटे अंक

लंदन। टॉमस सौसेक द्वारा आखिरी मिनटों में निर्णायक गोल की मदद से वेस्ट हैम युनाइटेड ने रविवार को खेले गए इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) के मुकाबले में ब्राइटन को 2-2 से ड्रॉ पर रोक दिया। बीबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, ब्राइटन ने नील मौउपे के गोल के सहारे 44वें मिनट में ही अपना खाता खोल लिया। लेकिन बेन जॉनसन ने 60वें मिनट में गोल करके वेस्ट हैम को 1-1 की बराबरी दिला दी। जॉनसन का अपने क्लब के लिए यह पहला गोल है।इस गोल के बाद लुइस डंक ने 70वें मिनट में गोल दागते हुए ब्राइटन को 2-1 की बढ़त दिला दी। डंक का अपने क्लब के लिए सीजन का यह पहला गोल है। सौसेक ने 82वें मिनट में एक और शानदार गोल करते हुए वेस्ट हैम को 2-2 की बराबरी दिला दी।

पैरी आईसीसी की दशक की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे, टी-20 क्रिकेटर चुनी गईं

दुबई।

आस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट टीम की आलराउंडर एलिस पैरी इस दशक की आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे और टी-20 क्रिकेटर चुनी गई हैं। आईसीसी ने पैरी को इन दो पुरस्कारों के अलावा रशेल हेहेओ फ्लिंट अवार्ड से भी सम्मानित किया है। आईसीसी की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, पैरी ने आईसीसी अवॉर्ड पीरियड के दौरान अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के सभी फॉर्मेट में अब तक कुल 4349 रन बनाए हैं और इस दौरान उन्होंने चार शतक भी लगाए हैं। इसके अलावा उन्होंने 213 विकेट भी हासिल किए हैं, जोकि किसी भी खिलाड़ी से ज्यादा विकेट है। पैरी चार बार 2012, 2014, 2018 और 2020 में आईसीसी महिला टी-20 विश्व कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा रह चुकी हैं। इसके अलावा वह 2013 में 50 ओवरों का विश्व कप जीतने वाली आस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम का भी हिस्सा थीं। पैरी 2017 और 2019 में भी रशेल हेहेओ फ्लिंट अवार्ड पा चुकी थी और इस बार भी उन्हें इस अवॉर्ड से समानित किया गया है। फ्लिंट अवार्ड के अलावा उन्हें इस दशक की आईसीसी की सर्वश्रेष्ठ महिला वनडे क्रिकेटर और सर्वश्रेष्ठ महिला टी-20 क्रिकेटर भी चुना गया है। आस्ट्रेलियाई आलराउंडर पैरी के अलावा स्कॉटलैंड महिला क्रिकेट टीम की खिलाड़ी कैथरीन ब्राइस को दशक की सर्वश्रेष्ठ महिला एसोसिएट्स क्रिकेटर चुना गया है। आईसीसी अवॉर्ड पीरियड के दौरान ब्राइस ने बल्ले से 50 के औसत से रन बनाए हैं जबकि गेंदबाजी में उन्होंने 9.93 की औसत से

गेंदबाजी की है। ब्राइस ने ट्विटर पर कहा, यह पुरस्कार जीतना मेर लिए वाकई एक सम्मान की बात है। इस समर्थन के लिए आप सभी धन्यवाद। यह पुरस्कार उन सभी महिलाओं को समर्पित है, जो मुझसे पहले स्कॉटलैंड के लिए खेल चुकी हैं और जिन्होंने वैश्विक टूर्नामेंटों में स्कॉटलैंड क्रिकेट में अपना योगदान दिया है।

रन बनाने का मौका नहीं दे रहे थे भारतीय गेंदबाज : वेड

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज मैथ्यू वेड ने भारतीय गेंदबाजी आक्रमण की तारीफ करते हुए कहा कि भारतीय बॉलर्स काफी सीधी गेंद करा रहे थे, जिससे कि रन बनाने में काफी दिक्कत आ रही थी। भारतीय टीम ने मेलबर्न टेस्ट में आस्ट्रेलिया के खिलाफ अपना शिकंजा कस दिया है और काफी मजबूत स्थिति में है। आस्ट्रेलिया ने किसी तरह भारत द्वारा ली गई 131 रनों की लीड को पार कर लिया है और तीसरे दिन सोमवार का खेल खत्म होने तक उसने छह विकेट खोकर 133 रन बना कर मेहमान टीम पर दो रनों की बढ़त ले ली है। भारत ने पहली पारी में आस्ट्रेलिया को 195 रनों पर ऑल आउट कर दिया था, फिर अपनी पहली पारी में 326 रन बनाकर बढ़त ली। दूसरी पारी में एक समय आस्ट्रेलिया का स्कोर छह विकेट पर 99 रन था। यहां लग रहा था कि वह पारी से हार सकती है, लेकिन हरफमनमौला खिलाड़ी कैमरून ग्रीन और पैट कमिंस ने उसे बचा लिया। दिन का खेल खत्म होने तक ग्रीन 17 रन बनाकर और कमिंस 15 रन बनाकर नाबाद हैं। दूसर पारी में 137 गेंदों पर 40 रन बनाने वाले वेड ने कहा, भारतीय गेंदबाज काफी प्रभावशाली थे। वे सीधी गेंदें कर रहे थे, जिससे रन बनाने में काफी दिक्कत आ रही थी। वेड ने हालांकि अपनी टीम की बल्लेबाजी की आलोचना की। वेड ने कहा, हमें इस बात को मानना होगा कि हम भारतीय गेंदबाजों की थकान की स्थिति का फायदा नहीं उठा सके। हम संयम के साथ खेलना चाहिए थे। वेड ने कहा कि पिच को दोषी बताना ठीक नहीं होगा क्योंकि यह बिल्कुल फ्लैट पिच है और बल्लेबाजी के अनुकूल है।

सचिन ने आईसीसी से अंपायर्स कॉल को दोबारा परखने को कहा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सचिन तेंदुलकर ने आईसीसी से निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) में अंपायर्स कॉल के क्लॉज पर सवाल उठाए हैं और कहा है कि इसे दोबारा देखने की जरूरत है।सचिन ने ट्वीट किया, खिलाड़ी रिव्यू इसलिए लेते हैं क्योंकि वह मैदानी अंपायर के फैसले से खुश नहीं होते हैं। आईसीसी को डीआरएस को दोबारा देखने की जरूरत है, खासकर अंपायर्स कॉल के लिए।अंपायर्स कॉल क्लॉज बॉल ट्रेकिंग टेक्नोलॉजी में तब आता है जब मामला काफी कीरीबी हो और फैसला मैदानी अंपायर के फैसले को बनाए रखता है।आस्ट्रेलिया और भारत के बीच मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर खेले जा रहे तीसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को अंपायर्स कॉल ने दो बार आस्ट्रेलिया के बल्लेबाजों को बचाया। जोए बर्न्स के खिलाफ जसप्रीत बुमराह ने दूसरी पारी के तीसरे ओवर में एलबीडब्ल्यू की अपील की थी। अंपायर ने इसे नॉट आउट करार दिया था जिस पर भारत ने रिव्यू लिया, लेकिन अंपायर्स कॉल के कारण बर्न्स बच गए। इसके बाद मार्नस लाबुशैन भी मोहम्मद सिराज की गेंद पर इसी कारण आउट होने से बच गए। यहां भी अंपायर ने उन्हें नॉट आउट दिया लेकिन भारत ने रिव्यू लिया और अंपायर्स कॉल के कारण लाबुशैन भी बच गए।

हमारा ध्यान डॉट बॉल और मेडन ओवर डालने पर था : सिराज

मेलबर्न।

भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने कहा है कि आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को उमेश यादव के चोटिल होकर होकर मैदान छोड़ने के बाद भारतीय तेज गेंदबाजों का ध्यान डॉट बॉल और मेडन ओवर डालने पर था। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी आक्रमण को उस समय एक बड़ा झटका लगा जब तेज गेंदबाज उमेश यादव लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए। उमेश को अपने चौथे ओवर की तीसरी गेंद फेंकने के बाद पैर में परेशानी हुई। सिराज ने तीसरे दिन की खेल समाप्ति के बाद कहा, हम जसप्रीत (बुमराह) भाई के साथ भी टीम में इस बात पर चर्चा कर रहे थे कि हमारे पास दो तेज गेंदबाज है और स्पिनर भी अच्छा कर रहे हैं। हमारे दो तेज गेंदबाजों का ध्यान डॉट बॉल और मेडन ओवर डालने पर था। विकेट से भी ज्यादा मदद नहीं मिल रही थी। इसलिए हमारा ध्यान डॉट बाल डालने पर था। 26 वर्षीय तेज गेंदबाज सिराज अपना पदार्पण मैच खेल रहे हैं। उन्होंने कहा, गेंदबाजी करने के लिए पहले दिन विकेट बहुत अच्छी थी। लेकिन अब विकेट आसान हो गई है और बॉल आसानी से बल्ले पर आ रही है। अब स्विंग भी नहीं हो रही है। इसलिए हमारा प्लान धर्य रखना और एक ही जगह पर गेंदबाजी करना था। तेज गेंदबाज ने कहा, हमें ज्यादा कुछ ट्राई नहीं करना चाहिए। यही सही होगा। हम उन्हें जल्द से जल्द आउट करने में सक्षम हैं। सिराज ने बुमराह की तारीफ करते हुए कहा कि एक सीनियर के रहने से हमेशा मदद मिलती है। उन्होंने कहा, सीनियर के पास रहने से जूनियर को हमेशा फायदा होता है। हर एक गेंद के बाद बुमराह मेरे पास आ रहे थे और मेरा हौसला बढ़ा रहे थे। उन्होंने मुझे धर्य रखने और गेंदबाजी करते रहने को कहा। भारत ने यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) पर आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में अपना शिकंजा कस दिया है और काफी मजबूत स्थिति में है। आस्ट्रेलिया ने किसी तरह भारत द्वारा ली गई 131 रनों की लीड को पार कर लिया है और तीसरे दिन सोमवार का खेल खत्म होने तक उसने छह विकेट खोकर 133 रन बना कर मेहमान टीम पर दो रनों की बढ़त ले ली है। हालांकि आस्ट्रेलियाई टीम जिस स्थिति में है उसे देखकर लगता नहीं है कि वह भारत के सामने कोई मजबूत लक्ष्य रख पाएगी।

उमेश की पिंडली की चोट का होगा स्कैन : बीसीसीआई

मेलबर्न। भारतीय क्रिकेट टीम के गेंदबाजी आक्रमण को यहां मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड (एमसीजी) में आस्ट्रेलिया के खिलाफ खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच के तीसरे दिन सोमवार को एक बड़ा झटका लगा है। तेज गेंदबाज उमेश यादव लंगड़ाते हुए मैदान से बाहर गए हैं। उमेश को अपने चौथे ओवर की तीसरी गेंद फेंकने के बाद पैर में परेशानी हुई। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा कि उमेश की पिंडली में दर्द है और उनका अब स्कैन किया जाएगा। बीसीसीआई ने एक बयान में कहा, उमेश ने अपना चौथा ओवर फेंकने के दौरान पिंडली में दर्द की शिकायतत की। बीसीसीआई की मेडिकल टीम ने उनकी जांच की। उनका अब स्कैन होगा। उन्होंने दिन के दूसरे सत्र में आस्ट्रेलिया के सलामी बल्लेबाज जोए बर्न्स को आउट किया और इसके बाद वह चोटिल हो गए थे। अगर उमेश मैदान पर नहीं उतरते हैं तो यह भारत के लिए बड़ा झटका होगा क्योंकि मोहम्मद शमी और ईशांत शर्मा पहले ही चोटिल हैं। ईशांत चोट के कारण आस्ट्रेलिया नहीं आए। शमी को पहले टेस्ट मैच में चोट लगी थी जिसके कारण वह टेस्ट सीरीज से ही बाहर हो चुके हैं। शमी अब स्वदेश लौट चुके हैं और छह सप्ताह आराम करने की सलाह दी गई है। शमी को एडिलेड में खेले गए पहले टेस्ट मैच के दौरान भारत की दूसरी पारी के दौरान बल्लेबाजी करते हुए आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज पैट कमिंस की गेंद हाथ में लगी थी। दर्द के कारण वह हाथ भी नहीं उठा पा रहे थे और इसी कारण रिटायर्ड हर्ट हो गए थे। उन्होंने फिर गेंदबाजी भी नहीं की थी। उनके हाथ का स्कैन कराया गया था, जिसमें हेयरलाइन फ्रेक्च र बताया गया था।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.

'रश्मि रॉकेट' के सेट से तापसी पन्नू ने शेयर की जबरदस्त तस्वीर

पैर चलाने से लेकर पैर हिलाने तक...

पिंक, थप्पड़ जैसी फिल्मों में अपने बेहतरीन अभिनय से सभी का दिल जीत चुकीं बॉलीवुड एक्ट्रेस तापसी पन्नू एक बार फिर अपने फैंस को एंटरटेन करने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। इन दिनों तापसी पन्नू अपनी आगामी फिल्म 'रश्मि रॉकेट' को लेकर खूब चर्चा में बनी हुई हैं।

हाल ही में तापसी पन्नू ने फिल्म के सेट से एक तस्वीर शेयर की है जो खूब वायरल हो रही है। इस तस्वीर में तापसी रेस को जीतती हुई नजर आ रही हैं। इस तस्वीर को शेयर करते हुए एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 'फिनिश मार्क के माध्यम से आधा रास्ता। पैर चलाने से लेकर पैर हिलाने तक।'

बता दें कि फिल्म में तापसी एक एक एथलेट के किरदार में नजर आएंगी। ऐसे में वह रात दिन इस फिल्म के लिए कड़ी मेहनत कर रही हैं। वहीं कुछ दिन पहले तापसी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर फिल्म की कुछ तस्वीरें शेयर की थी जिसमें उन्होंने जानकारी दी कि उन्होंने फिल्म की एक शेड्यूल को पूरा कर लिया है। बीते दिनों तापसी 'रश्मि रॉकेट' की पूरी टीम के साथ रांची में शूट कर रही थीं।

बता दें कि 'रश्मि रॉकेट' एक गांव की एक युवा लड़की के बारे में है, जिसे ऊपर वाले ने तेजी से दौड़ने के वरदान से नवाजा है। वह एक अविश्वसनीय रूप से तेज धावक है और इसीलिए गांव वाले उसे रॉकेट के नाम से जानते हैं। फिल्म एक स्पोर्ट्स ड्रामा है जिसमें तापसी, अभिषेक बनर्जी, प्रियांशु पेनयुली शामिल हैं। फिल्म को आकाश खुराना ने अभिनीत किया है और रॉनी स्क्रूवाला, नेहा आनंद और प्रांजल खंडडिया द्वारा निर्मित है।

रश्मिका मंदाना के हाथ लगा एक और बॉलीवुड प्रोजेक्ट, अमिताभ बच्चन के साथ आएंगी नजर!

साउथ स्टार रश्मिका मंदाना साल 2020 की नेशनल क्रश बन चुकी हैं। वहीं 24 साल की उम्र में रश्मिका बड़े-बड़े सितारों के साथ काम करने जा रही हैं। तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों के बाद रश्मिका की बॉलीवुड में एंट्री हो चुकी है। वह सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ मिशन मजनू में नजर आएंगी।

अब रश्मिका के हाथ एक और बॉलीवुड प्रोजेक्ट लग गया है। वह अमिताभ बच्चन के साथ स्क्रीन शेयर करने जा रही हैं। रश?मिका बिग बी के साथ विकास बहल की आने वाली फिल्म में नजर आएंगी। यह एक कॉमेडी फिल्म होगी जिसे विकास बहल निर्देशित करने वाले हैं।

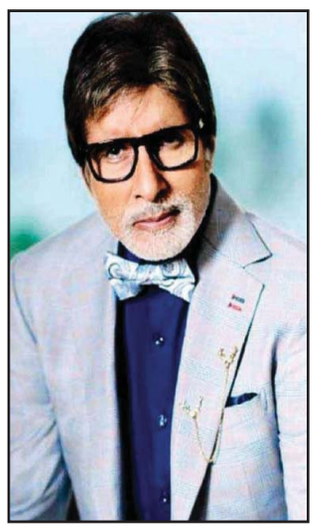

इस फिल्म में अमिताभ बच्चन और रश्मिका लीड रोल में नजर आएंगे। खबरों के अनुसार फिल्म में नीना गुप्ता भी दिखेंगी। यह फिल्म एक पिता और बेटी पर आधारित होगी। फिल्म का टाइटल शुरूआत में डेडली रखा गया है। इस फिल्म को रिलायंस एंटरटेनमेंट प्रोड्यूस करेगा। फिल्म की शूटिंग मार्च 2021 में शुरू होगी।

रश्मिका ने 2016 में अपना एक्टिंग डेब्यू किया था। वह डियर कॉमरेड, देवदास गीता गोविंदम सहित कई तेलुगू और कन्नड़ फिल्मों में नजर आ चुकी हैं।

पर्दे पर अंडरकवर एजेंट का किरदार निभाएंगी परिणीति चोपड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस परिणीति चोपड़ा इन दिनों अपनी अगली फिल्म को लेकर चर्चा में आ गई हैं। परिणीति चोपड़ा निर्देशक रिभु दासगुप्ता की फिल्म में अंडरकवर एजेंट का किरदार निभाएंगी। यह एक एक्शन थ्रिलर होगी। फिलहाल इस फिल्म का कोई टाइटल तय नहीं हो पाया है।

बताया जा रहा है कि परिणीति इसमें एक रेस्क्यू मिशन पर दिखाई देंगी। परिणीति फिल्म में किस मिशन पर होंगी इस बात का अभी खुलासा नहीं हो पाया है, लेकिन यह साफतौर पर कहा जा रहा है कि इस बार फिल्म में भारत और पाकिस्तान का मिशन नहीं पेश किया जाएगा।

फिल्म में परिणीति के किरदार की निजी जिंदगी को भी दिखाया जाएगा, जो अपने साथ हुए एक हादसे का बदला लेगा। गौरतलब है कि यह दूसरा मौका है जब परिणीति और रिभु दासगुप्ता किसी फिल्म में साथ काम करने जा रहे हैं। इससे पहले ये दोनों फिल्म 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' के लिए भी हाथ मिला चुके हैं।

परिणीति की इस अनटाइटल फिल्म में रजित कपूर, केके मेनन, दिब्येंदू भट्टाचार्य और पंजाबी सिंगर और अभिनेता हार्डी संधू भी अहम किरदारों में नजर आने वाले हैं। फिल्म की शूटिंग मार्च, 2021 में शुरू करने की योजना बनाई गई है। मेकर्स फिलहाल शूटिंग के लिए लोकेशन्स की तलाश में जुटे हुए हैं।

परिणीति चोपड़ा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह 'द गर्ल ऑन द ट्रेन' में नजर आने वाली हैं। यह फिल्म 2016 में इसी नाम से बनी हॉलीवुड फिल्म और पौला हॉकिंस की नॉवेल पर आधारित है। इसके अलावा उन्हें अर्जुन कर के साथ 'संदीप और पिंकी फरार' में भी देखा जाने वाला है।

आलिया भट्ट की 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में होगा हुमा कुरैशी का आइटम नंबर!

संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' की शूटिंग जारी है। इस फिल्म को लेकर हर दिन नई खबरें सामने आ रही है। अब खबरें आ रही है कि आलिया भट्ट स्टारर इस फिल्म में हुमा कुरैशी भी नजर आ सकती हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म में हुमा एक आइटम नंबर करती हुई दिख सकती हैं।

संजय लीला भंसाली की फिल्म में कोई भी किरादर निभाना किसी भी स्टार के लिए बहुत बड़ी बात होती है। ऐसे में बताया जा रहा है कि जब हुमा कुरैशी को ये रोल ऑफर किया गया तो उन्होनें बिना देए किए आइटम नंबर करने के लिए हां कह दी है। यह निश्चित रूप से हुमा कुरैशी के लिए एक बड़ा ब्रेक साबित हो सकता है।

खबरों के अनुसार भंसाली एक ऐसी डांसर चाहते थे, जो अपनी भाव-भंगिमाओं से गाने में जान डाल सके। हुमा फिल्म में मुजरा नहीं कर रही हैं। यह एक उत्तेजक और भड़कीला आइटम नंबर होगा।

गंगूबाई काठियावाड़ी में आलिया के अलावा अजय देवगन का कैमियो भी नजर आएगा। वह फिल्म में आलिया के मेंटर का रोल निभाएंगे। इस फिल्म में बंटवारे से पहले और उसके बाद की कहानी भी दिखाई जाएगी।

बता दे कि, गंगूबाई काठियावाड़ी फिल्म मशहूर लेखक हुसैन जैदी की किताब 'माफिया क्वीन्स ऑफ मुंबई' पर बनाई जा रही है। इस फिल्म का निर्देशक संजय लीला भंसाली कर रहे हैं। फिल्म की शूटिंग मुंबई की फिल्मसिटी में जारी है। फिल्म में डॉन गंगूबाई की कहानी दिखाई जाएगी, जिसे आलिया भट्ट निभा रही हैं।

स्टारडम को लेकर सारा अली खान ने कही यह बात

फिल्म 'केदारनाथ' से बॉलीवुड डेब्यू करने वाली सारा अली खान ने अपने महज दो साल लंबे करियर में ग्लैमर की दुनिया की चकाचौंध और प्रशंसकों के प्यार से रूबरू हुई हैं। सैफ अली खान और अमृता सिंह की बेटी सारा इंडस्ट्री के तौर-तरीकों से बचपन से ही वाकिफ हैं, हालांकि वह खुद स्टारडम में यकीन नहीं रखती हैं।

एक इंटरव्यू के दौरान सारा ने कहा, मुझे स्टारडम की चाहत नहीं है। अभी तक मैंने फैंस शब्द का इस्तेमाल नहीं किया है, स्टार शब्द का उपयोग नहीं किया है। मैं इन सभी चीजों पर यकीन नहीं रखती हूं क्योंकि हर शुक्रवार को यहां सितारों की तकदीरें बदलती रहती हैं।

सारा ने आगे कहा, मेरे ख्याल से एक आपकी नीयत ही ऐसी चीज है, जो मायने रखती है। आपकी जो नीयत होती है वो मैटर करता है और कहीं न कहीं जो आपकी शिद्दत, पैशन और जुनून होता है वो मैटर करता है। इनके अलावा सारी चीजें बदलती रहती हैं और बदलती रहेंगी।

वर्क फ्रंट की बात करें तो सारा हाल ही में वरुण धवन के साथ फिल्म 'कुली नंबर 1' में नजर आई हैं। वह जल्द ही अक्षय कुमार और धनुष के साथ आनंद एल. राय की फिल्म 'अतरंगी रे' में नजर आएंगी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अलविदा

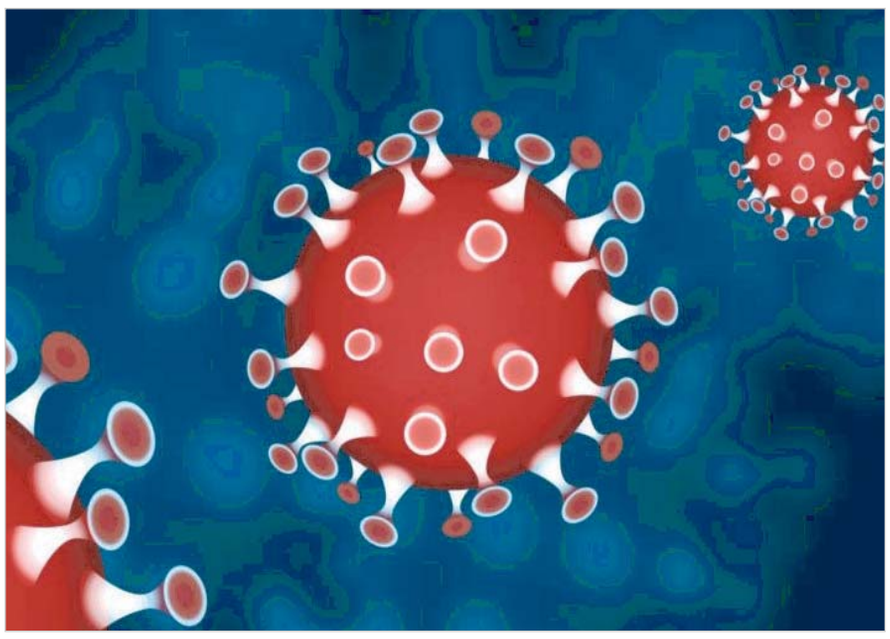

साल 2020 का कोरोना का प्रकोप: महामारी के लिए बने डैशबोर्ड

साल 2020 की शुरुआत में **Covid-19** का सामना दुनिया ने पहली बार किया, तो जॉन हॉपकिन्स सेंटर फॉर सिस्टम साइंस एंड इंजीनियरिंग की सह-निदेशक लॉरेन गार्डनर के विद्यार्थियों ने मिलकर जनवरी के महीने में **Covid-19** के एक ओरिजिनल डैशबोर्ड का निर्माण किया। फरवरी के अंत तक इस डैशबोर्ड पर करोड़ों की संख्या में लोगों की नजर पड़ी। गर्मियों के आते-आते इसके आंकड़ों की जांच करने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 450 करोड़ तक पहुंच गई। **America** में कोरोना के पहले मामले की पहचान 20 जनवरी, 2020 की गई और 22 जनवरी तक जॉन हॉपकिन्स ने अपने डैशबोर्ड को सार्वजनिक कर दिया, जिसमें महामारी से संबंधित सभी आंकड़े जनता के लिए उपलब्ध कराए गए। संग्रह किए गए और लोगों के लिए प्रदर्शित किए गए सभी आंकड़ों को पहले गूगल शीट्स के माध्यम से पेश किया गया और बाद में गिटहब रिपॉजिटरी के माध्यम से उपलब्ध कराया गया।एक ऐसे स्वतंत्र वेबसाइट पर काम करने के लिए गार्डनर को टाइम मैगजीन द्वारा दुनिया के 100 सबसे अधिक प्रभावशाली व्यक्तियों में से एक माना गया।इसके बाद और भी कई डैशबोर्ड मॉडल बने, जिनमें से एक रहा वॉशिंगटन विश्वविद्यालय का स्वास्थ्य मैट्रिक्स और मूल्यांकन संस्थान (आईएचएमई), जिनके माध्यम से कोरोनावायरस के मामलों को लेकर कई भयावह अनुमान लगाए गए।अब बात आती है कि क्या ये मॉडल्स अहम भूमिका निभाते हैं? इसके जवाब में एक ओपेन सोर्स एंड कम्यूनिटी डेटा साइंटिस्ट ने आईएएनएस को बताया, बिल्कुल ये मॉडल संभावित प्रभावों को लेकर एक दृश्यता प्रदान करते हैं, जिन्हें देखकर आम आदमी में एक समझ पैदा होती है और वे एक प्लानिंग कर पाते हैं।

जम्मू कश्मीर के युवकों की जिंदगी में बड़ा बदलाव लाया साल 2020, आतंक का रास्ता छोड़ लौटे घर

नेशनल डेस्क

एक युवक ने भालू से बचने के लिए पेड़ पर रात बिताई और उसके बाद उसने सुरक्षा बलों के समक्ष इसलिए आत्मसमर्पण कर दिया कि उसका मानना था कि उसे आतंकवादी बनने के लिए भर्ती करने वालों ने उसे मरने के लिए अपने हाल पर छोड़ दिया। एक अन्य युवक ने ऑपरेशन के बीच में ही अपने माता-पिता की गुहार पर हथियार डाल दिए। सेना के अधिकारियों के समक्ष इस वर्ष हथियार डालने वाले 17 युवकों की कहानियां अलग-अलग हैं लेकिन उनका उद्देश्य एक है- मुख्य धारा में लौटने की चाहत। अधिकारियों ने बताया कि सेना आत्मसमर्पण पर ध्यान केंद्रित कर रही है और घाटी में कई सफल आतंकवाद निरोधक अभियान चलाए हैं, खासकर दक्षिण कश्मीर में।

24 वर्षीय युवक का एक घटना से हुआ मोहभंग

तीन महीने पहले घाटी के 24 वर्षीय युवक को स्थानीय आतंकवादी अब्बास शेख ने आतंकवाद में शामिल होने के लिए मनाया। अधिकारियों ने बताया कि उसे एक ग्रेनेड दिया गया और उसे द रेसिसटेंस फ्रंट (टीआरएफ) का सदस्य बनाया गया, जिसे प्रतिबंधित लश्कर ए तैयबा का ही अंग माना जाता है। उन्होंने कहा कि जल्द ही उसका मोहभंग हो गया। युवक की पहचान छिपाकर रखी गई है, उसने एक रात पेड़ पर बिताई, वह जंगली भालू से डरा हुआ था और भूखा था। वह कोकरनाग के जंगलों में घूम रहा था जब उसका सामना भालू से हुआ। पूछताछ रिपोर्ट में उसके हवाले से कहा गया कि भालू मेरे पीछे दौड़ा और मैं एक पेड़ पर चढ़ गया। मैं पूरे दिन और रात पेड़ पर रहा, भूख लगी हुई थी और हाथ में ग्रेनेड था। मुझे महसूस हुआ हमारे आका हमें मूर्ख बना रहे हैं।

युवकों की जिंदगी में आए कई बदलाव

एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यही से उसकी जिंदगी में बदलाव आया। उसने दक्षिण कश्मीर के अंदरूनी हिस्से में सेना की एक इकाई के समक्ष हथियार डाल दिए। उससे वादा किया गया कि वह और उसका परिवार अब सामान्य जीवन जी सकते हैं। उन्होंने आत्मसमर्पण का ब्यौरा नहीं दिया। एक अन्य घटना में 22 दिसंबर को 34 राष्ट्रीय राइफल्स के जवानों को सूचना मिली कि कुलगाम जिले के तांत्रीपुरा में लश्कर ए तैयबा के दो आतंकवादी मौजूद हैं। दोनों आतंकवादियों की पहचान यावर वाघे और अमीर अहमद मीर के तौर पर हुई। एक अधिकारी ने कहा कि जैसे ही हमने अभियान शुरू किया, हमें पता चला कि दोनों स्थानीय नागरिक हैं जो कुछ महीने पहले आतंकवादी बने हैं।

शोएब अहमद भट ने भी किया आत्मसमर्पण

एक अधिकारी ने बताया कि वाघे के बुजुर्ग पिता और मां ने अपने बेटे से गुहार लगाई और वह बाहर निकला तथा जवानों के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। हमने मीर के माता-पिता से भी ऐसा ही करने का आग्रह किया और वह भी बाहर निकल आया और हथियार डाल दिए। इस वर्ष हथियार डालने वाले 17 आतंकवादियों में अल-बद्र आतंकवादी समूह का शोएब अहमद भट भी है जिसने इस वर्ष अगस्त में आत्मसमर्पण किया था। वह उस समूह का हिस्सा था जिसने दक्षिण कश्मीर के शोपियां जिले में टेरीटोरियल आर्मी के एक जवान की हत्या की थी। प्रयास हमेशा सफल नहीं होता। अधिकारियों ने बताया कि सेना के जवानों ने शनिवार को शोपियां जिले के कनीगाम में एक अभियान के दौरान आतंकवादियों से आत्मसमर्पण करने की अपील की। बहरहाल, आतंकवादियों ने आग्रह पर ध्यान नहीं दिया और वे मारे गए।

कनिका कपूर की कोरोना रिपोर्ट ने मचाया था हड़कंप, बच्चन परिवार से लेकर सनी देओल भी दे चुके है डेडली वायरस को मात

मुंबई- कोरोना महामारी वाले इस साल ने पूरी दुनिया को हमेशा के लिए बदलकर रख दिया। देश में जब कोरोना वायरस पैनडेमिक की शुरुआत हो रही थी, तो तब कोरोना का असर बॉलीवुड पर भी बड़े स्तर पर दिखाई दिया। खैर इन स्टार्स ने भी रील लाइफ की तरह ही रियल लाइफ में जंग जीती। आइए डालते हैं डेडली वायरस को मात दे चुके स्टार्स पर एक नजर...

कनिका कपूर

कनिका पहली बॉलीवुड सेलेब्रिटी थीं, जिन्हें कोविड-19 की पुष्टि हुई, लंदन से आईं कनिका मुंबई होते हुए अपने गृहनगर लखनऊ गयी थीं, जहां उनके कोविड-19 पॉज़िटिव होने की पुष्टि हुई थी। कनिका पर लापरवाही करने के आरोप लगे थे और उनके ख़िलाफ़ पुलिस रिपोर्ट भी दर्ज हुईं। इस दौरान कनिका के कोरोना पॉजिटिव होने की जानकारी मिली, तो ये खबर सामने आई थी कि कनिका ने कोरोना पीड़ित होने की जानकारी सबसे छिपाई थी.. जिसे लेकर कनिका कपूर पर सवाल भी उठाए गए। साथ ही इस दौरान ये भी पता चला कि कनिका ने कोरोना पीड़ित होने के बावजूद लखनऊ में एक पार्टी भी दी थी, जिसमें कई नामचीन हस्तियों ने शिरकत की थी, इस हाईप्रोफाइल पार्टी में लगभग 162 लोग शामिल थे, जिनमें राजस्थान की पूर्व सीएम वसुंधरा राजे और उनके सांसद बेटे दुष्यंत सिंह भी मौजूद थे।

अमिताभ और अभिषेक

बॉलीवुड के सबसे प्रतिष्ठित परिवारों में से एक बच्चन परिवार भी कोरोना के कहर से नहीं बच पाया था। 11 जुलाई की रात बिग बी ने ट्वीट कर अपने कोरोना संक्रमित होने की पुष्टि की थी। कोरोना रिपोर्ट आने के बाद अमिताभ बच्चन को मुंबई के नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था हालांकि इसी दौरान अमिताभ बच्चन के बेटे अभिषेक बच्चन की भी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई।अभिषेक को भी नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अमिताभ तो कुछ दिन में ही डिस्चार्ज हो गए थे मगर अभिषेक को उनके पिता से ज्यादा अस्पताल में वक्त बिताना पड़ा था।

ऐश्वर्या और आराध्या

अभी देशवासी अमिताभ और अभिषेक के जल्द स्वस्थ होने की कामना कर ही रहे थे. तभी उनके 6 दिन बाद अमिताभ बच्चन की बहू और अभिनेत्री ऐश्वर्या की बेटी आराध्या कोरोना की चपेट में आ गई थीं। ऐश्वर्या और उनकी बेटी जल्द ही स्वस्थ हो गए थे। उन्हें घर पर क्वारंटाइन किया गया था लेकिन 17 जुलाई को तबीयत ज्यादा बिगड़ने के बाद दोनों को मुंबई स्थित नानावटी अस्पताल में भर्ती कराया गया। लगभग 10 दिन अस्पताल में बिताने के बाद 27 जुलाई को दोनों कोरोना से जंग जीत घर लौट आईं जबकि जया बच्चन और उनकी बेटी की रिपोर्ट निगेटिव आई थी।

नीतू कपूर

बॉलीवुड के दिवंगत अभिनेता ऋषि कपूर की पत्नी नीतू कपूर भी कोरोना पॉजिटिव पाई गई हैं। नीतू कपूर एक्टर वरुण के साथ फिल्म जुग जुग जियो की शूटिंग कर रही थीं जैसे ही इस बारे में नीतू कपूर के बेटे को जानकारी मिली, तो रणवीर कपूर ने तुरंत कोरोना पॉजिटिव नीतू कपूर को मुंबई लाने के लिए एक एयर एंब्यूलेंस का इंतजाम किया जिसके बाद नीतू कपूर को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया।

अर्जुन कपूर

बॉलीवुड एक्टर अर्जुन कपूर 6 सितंबर को कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए थे. अर्जुन कपूर ने खुद अपने इंस्टाग्राम से अपने कोविड-19 पॉजिटिव होने की सूचना दी थी। अर्जुन कपूर ने बताया था कि वह कोरोना पॉजिटिव हो गए हैं। अर्जुन कपूर ने साथ ही ये भी बताया कि वह ठीक महसूस कर रहे हैं और डॉक्टर की सलाह पर खुद को होम क्वारंटीन कर रहे हैं। उन्होंने अपने चाहने वालों को सपोर्ट करने के लिए आभार जताया था। उन्होंने कहा था कि यह अभूतपूर्व समय है। मुझे भरोसा है कि मानवता इस वायरस से जीत जाएगी।

मलाइका अरोड़ा

बॉलीवुड एक्ट्रेस मलाइका अरोड़ा ने 7 सितंबर को अपने कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि की थी। एक्ट्रेस ने एक पोस्ट शेयर कर बताया था कि वह इस महामारी की चपेट में आ गई हैं। इस पोस्ट में मलाइका ने बताया था कि वे कोरोना वायरस के प्रोटोकॉल के तहत सेल्फ क्वारंटीन हैं और किसी के संपर्क में नहीं हैं। यही नहीं, उन्होंने अपने फैंस को इस महामारी के बीच अपना ख्याल कैसे रखना है, इसके बारे में भी बताया था।

राजू खेर

बॉलीवुड के जाने माने एक्टर अनुपम खेर के भाई राजू खेर और उनकी मां दुलारी भी कोरोना से संक्रमित हुए थे।अनुपम ने 12 जुलाई को एक वीडियो पोस्ट कर इस बात की जानकारी दी थी।अनुपम खेर की भाभी और उनकी भतीजी भी कोरोना संक्रमित हो गई थीं। कुछ दिन अस्पताल में इलाज चलने के बाद वे लोग कोरोना से जंग जीकर वापस घर लौट आए।

सनी देओल

बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल की रिपोर्ट भी कोरोना पॉजिटिव आई थी। सनी देओल ने 2 दिसंबर को ट्विटर के माध्यम से इस बात की पुष्टि की थी। सनी देओल ने लिखा था कि मैंने कोरोना टेस्ट करवाया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मैं एकांतवास में हूं और मेरी तबीयत ठीक है। मेरा अनुरोध है कि आप में से जो भी लोग गत कुछ दिनों में मेरे संपर्क में आयें हैं, कृपया वह खुद को आइसोलेट कर अपनी जांच करवाएं। इनके अलावा पार्थ समथान, रेचल वाइट, वरुण धवन, मनीष पॉल,तमन्ना भाटिया, हिमानी शिवपुरी, आफताब शिवदासानी, तनुश्री दासगुप्ता, कृति सेनन समेत कई लोग शामिल थे ,जिन्होंने इलाज के बाद कोरोना को मात दी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

6 साल की मासूम के साथ पड़ोसी युवक ने किया दुष्कर्म, आरोपी फरार

बरेली(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के जनपद बरेली के

हाफिजगंज थाना क्षेत्र में 6 वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दुष्कर्म (Rape) का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिजनों की तहरीर पर गांव के ही युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने मासूम बच्ची को मेडिकल परीक्षण के लिए महिला अस्पताल भेज दिया है।

एसपी देहात संसार सिंह ने बताया कि देर रात हाफिजगंज थाने में तहरीर देते हुए पिता ने बताया कि उसकी 6 वर्षीय बेटी घर के बाहर खेल रही थी और तभी पड़ोसी युवक ने टॉफी दिलाने का बहाना करते हुए उसे बाहर गन्ने के खेत में उठाकर ले गया और दुष्कर्म किया। घटना के बाद से आरोपी फरार है।

उधर खबर है कि गांव में लगभग 5 घंटे तक आरोपी को बचाने के लिए पंचायत चलती रही।

गांव में 5 घंटे तक आरोपी को बचाने के लिए पंचायत, मामला चुनावी रंजिश का

पुलिस इस मामले को चुनावी रंजिश से भी जोड़कर देख रही है।

युवती का शव बोरे में भर फेंकने पर पिता-पुत्र गिरफ्तार

बाराबंकी (एजेंसी)। जिले में आत्महत्या के बाद युवती के शव को बोरे में भरकर नहर में फेंकने के आरोपी पिता-पुत्र को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक अरविंद चतुर्वेदी के बताया कि ३० अक्टूबर को बदोसराय क्षेत्र में एक युवती का शव नहर में पाया गया था। उसकी पहचान सफदरगंज के ग्राम बघौरा निवासी कृष्णानंद की बेटी के रूप में हुई थी। कृष्णानंद ने अपनी बेटी की हत्या का केस सुएब तथा उसके अन्य साथियों के खिलाफ दर्ज कराया था। सफदरगंज पुलिस की जांच में युवती की हत्या के साक्ष्य नहीं मिले थे। पुलिस को जांच में पता चला कि पिछले ३० अक्टूबर को युवती का अपने भाई तुषार से विवाद हुआ था। इसके बाद उसने फांसी लगाकर जान दे दी थी। इस जानकारी पर कृष्णानंद ने अपने पुत्र तुषार के साथ मिलकर बेटी का शव को बोरे में भरा और नहर में फेंक दिया। इसके साथ बेटी की हत्या का केस सुएब के खिलाफ दर्ज करवा दिया था। सफदरगंज पुलिस ने सोमवार को कृष्णानंद और उसके पुत्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। पुलिस ने कहा कि युवती अपने पिता कृष्णानंद की दूसरी शादी से नाराज रहती थी।

बिना अनुमति सम्मेलन

एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष समेत 80 लोगों के खिलाफ केस दर्ज

बलरामपुर(एजेंसी)। उत्तर प्रेश के बलरामपुर में बिना अनुमति सम्मेलन करने तथा धारा १४४ और कोविड-१९ के प्रोटोकॉल का उल्लंघन करने के मामले में एआईएमआईएम के प्रदेश अध्यक्ष हाजी शौकत अली समेत कई लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक, नामजद ६ लोगों के साथ-साथ ७० से ८० अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। सब इंस्पेक्टर उमेश सिंह की तहरीर पर कोतवाली उतरौला में मुकदमा दर्ज किया गया है।

नामजद लोगों में पीस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष और उतरौला विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम के घोषित प्रत्याशी डॉक्टर अब्दुल मन्नान भी शामिल हैं। उतरौला कोतवाली क्षेत्र के डुमरियागंज रोड पर स्थित एक होटल में एआईएमआईएम की ओर से एक सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस सम्मेलन में प्रदेश अध्यक्ष हाजी

धरा १४४ और कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया था

शौकत अली के द्वारा एक प्रेस वार्ता का भी आयोजन किया गया था। पीस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर अब्दुल मन्नान को उतरौला विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम का प्रत्याशी घोषित करने के लिए यह सम्मेलन आयोजित किया गया था। सब इंस्पेक्टर उमेश सिंह ने पुलिस को दी गई अपनी तहरीर में लिखा है कि जब वह गस्त के दौरान अपने क्षेत्र में भ्रमण कर रहे थे तभी डुमरियागंज रोड पर स्थिति एक होटल में भारी भीड़ इकट्ठी देखी गई। पूछने पर पता चला कि उतरौला विधानसभा क्षेत्र से एआईएमआईएम के घोषित प्रत्याशी डॉक्टर अब्दुल मन्नान द्वारा प्रेस कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया जा रहा है। यह भीड़ बिना किसी अनुमति के इकट्ठी की गयी थी।

भीड़ में लोगों ने मास्क भी नहीं लगा रखा था और बिना उचित दूरी बनाए पार्टी के सम्मेलन में शामिल थे।

बालिग होने पर व्यक्तिअपनी इच्छा से और अपनी शर्तों पर जिंदगी जी सकता

प्रयागराज (एजेंसी)। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मामले में कहा कि बालिग होने पर व्यक्ति अपनी इच्छा से और अपनी शर्तों पर जिंदगी जी सकता है। न्यायालय ने एटा जिले की युवती द्वारा दूसरे धर्म के व्यक्ति से शादी करने को जायज ठहराया और उस व्यक्ति के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी रद्द कर दी। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति पंकज नकवी और न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की पीठ ने 18 दिसंबर को दिए फैसले में कहा कि याचिकाकर्ता शिखा हाईस्कूल के प्रमाण पत्र के मुताबिक बालिग हो चुकी है, उस अपनी इच्छा और शर्तों पर जीवन जीने का हक है। उसने अपने पति सलमान उर्फ करण के साथ जीवन जीने की इच्छा जाहिर की हैं इसकारण वह आगे बढ़ने को स्वतंत्र है।

उल्लेखनीय है कि एटा जिले के कोतवाली देहात पुलिस थाने में 27 सितंबर, 2020 को सलमान उर्फ करण के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 366 के तहत मुकदमा दर्ज किया था,

इस अदालत ने रद्द कर दिया। इससे पूर्व एटा जिले के मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट ने 7 दिसंबर, 2020 के अपने आदेश में शिखा को बाल कल्याण समिति को सौंप दिया था जिसने 8 दिसंबर, 2020 को शिखा को उसकी इच्छा के बगैर उसके मां-बाप को सौंप दिया।

अदालत ने कहा कि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट और बाल कल्याण समिति की कार्रवाई में कानूनी प्रावधानों के उपयोग में खामी देखी गई।

उल्लेखनीय है कि अदालत के निर्देश पर शिखा को पेश किया गया जिसने बताया कि हाईस्कूल प्रमाण पत्र के मुताबिक उसकी जन्म तिथि 4 अक्टूबर, 1999 है और वह बालिग है।

बाराबंकी तहसील प्रशासन ने अतिक्रमण के खिलाफ चलाया अभियान

बाराबंकी सरकारी योजनाओं से गरीब वांछित, झोपड़ी में रहने को मजबूर

यूपी पंचायत चुनाव में जीत के लिए है भाजपा की नई रणनीति

बरेली(एजेंसी) गांवों में छोटी सरकार ग्राम प्रधान विदा हो चली है और राजनीतिक पार्टियों ने अपनी अपनी गोट बिछानी शुरूकर दी है। चुनावी चक्रव्यूह को रचने के लिए सबसे पहले भाजपा ने कमर कस ली है।

तय हो गया है कि पहले जिला नहीं मंडल चमकाया जाएग। जिला स्तर के बड़े बडे ओहदेदारों की भी डयूटी गांवों में लगाई गई है। ताकि दमखम अजमा कर परफार्मेंस चेक की जा सके। चुनावी रण में लगातार ही देश के विभिन्न कोनों कोनो में विरोधियों को चौंका रही सत्ता पक्ष की पार्टी भाजपा ने जिला स्तर पर भी तैयारी फुलप्रूफ की है। जिससे ग्राम पंचायत की सबसे निचली इकाई तक पैठ मजबूत हो सके।

सीधा सा संदेश है कि गांव की इकाई मजबूत होगी तो इससे दूरगामी फायदे होंगे।

इसकी वजह स्पष्ट है कि दिल्ली तक के सफर में छोटे छोटे गांवों से मिलने वाला इनपुट ही मार्ग प्रशस्त करता है। इसी क्रम मे पिछले दिनों किसान सम्मेलन से पूर्व आए बरेली आए प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव ने अंदरखाने

अपने संगठन से तैयारी चौकस कर लेने के निर्देश कर दिए थे। इससे पूर्व कोरोना संक्रमण काल में भी गांव गांव तक भाजपा के पदाधिकारी तमाम तरह की इमदाद आदि लेकर पहुंचे थे और रिश्तों को खास बनाया था।

लिहाजा ग्राम पंचायत चुनाव से पूर्व भाजपा की गणित और चक्र व्यूह फिलहाल मजबूत नजर आ रहा है। संजीव प्रताप सिंह, जिलाध्यक्ष, भाजपा का कहना है कि जिले से पहले हम मंडल मजबूत कर रहे हैं।

भाजपा ऐसी पार्टी नहीं कि एक चुनाव के बाद थक कर बैठ जाए।

हम लगातार जनता के बीच जाते है और अपनी तैयारी शुरू कर देते हैं। सभी बड़े चेहरों को भी दायित्व देने के लिए हमने प्लानिंग कर ली है।

अमेरिकी विश्वविद्यालय सी.एम.एस. छात्रा को 1,46,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप देगा

लखनऊ (एजेंसी)। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, गोमती नगर (प्रथम कैम्पस) की मेधावी छात्रा तान्या सम्यक को उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका की प्रतिष्ठित यूनिवर्सिटी फ इवांसविले द्वारा 1,46,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है।

इस प्रतिभाशाली छात्रा को अमेरिका की यूनिवर्सिटी ऑफ रोड आईलैंड एवं यूनिवर्सिटी ऑफ लोवा द्वारा 92,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है।

इस प्रकार, सी.एम.एस. की इस होनहार छात्रा ने अपनी लगन, प्रतिभा व शैक्षणिक उत्कृष्टता के दम पर उच्चशिक्षा हेतु अमेरिका के प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊ का नाम गौरवान्वित किया है। उक्त जानकारी सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने दी है।

श्री शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. संस्थापक व प्रख्यात शिक्षाविद् डा. जगदीश गाँधी ने इस मेधावी छात्रा की उपलब्धि पर बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की।

श्री शर्मा ने बताया कि वर्ष 2020 में सी.एम.एस. के 90 से अधिक छात्रों ने अमेरिका, इंग्लैण्ड, कैनडा, आस्ट्रेलिया, जापान, सिंगापुर, जर्मनी आदि विभिन्न देशों के ख्यातिप्राप्त विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि आगामी वर्ष में भी सी.एम.एस. छात्र रिकार्ड संख्या में विदेश के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर लखनऊका गौरव बढ़ायेंगे।

श्री शर्मा ने आगे कहा कि सी.एम.एस. छात्रों के दृष्टिकोण व्यापक बनाने व उनकी प्रतिभा को प्रोत्साहित करने हेतु सदैव प्रयासरत है और इसी कड़ी में छात्रों को भारत में एवं विदेशों में उच्चशिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान कर रहा है।

सी.एम.एस. प्रदेश में एकमात्र एस.ए.टी. (सैट) एवं एडवान्स प्लेसमेन्ट (ए.पी.) टेस्ट सेन्टर है जो उत्तर प्रदेश एवं आसपास के अन्य राज्यों के छात्रों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ उच्च शिक्षा प्राप्त करने में मदद कर रहा है। इससे पहले, विदेश में उच्चशिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक प्रदेश के छात्रों को सैट परीक्षा के लिए दिल्ली जाना पड़ता था।

सार-समाचार

हाईकोर्ट के फैसले से एक हुए सलमान और शिखा

प्रयागराज(एजेंसी)। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एटा के एक मुस्लिम युवक पर हिन्दू लड़की को अगवा करने और उसपर जबरन शादी का दबाव डालने के आरोप के एक मामले में युवती द्वारा खुद को वयस्क साबित करने के बाद कोर्ट ने जीने का अधिकार के संवैधानिक अधिकार के तहत दोनों को एक साथ रहने का अधिकार प्रदान किया। कोर्ट ने कहा कि लड़की बालिग है और वह जिस भी लड़के के साथ रहना चाहती है, इसका चुनाव वह खुद कर सकती है। यह उसका मौलिक अधिकार है। हाईकोर्ट ने प्रयागराज एसएसपी को निर्देश देते हुए कहा कि दंपति के घर पहुंचने तक उन्हें सुरक्षा भी मुहैया कराई जाए।

एसएसपी को निर्देश- दंपति को सुरक्षा मुहैया कराएं

दरअसल, आरोपी युवक सलमान उर्फ करन ने कोर्ट में एक याचिका दाखिल की थी जिसमें उसने बताया कि एटा चाइल्ड वेलफेयर कमिटी द्वारा उसकी पत्नी शिखा को जबरन उसके परिवार को सौंप दिया गया। जबकि इसमें उसकी पत्नी की कोई चाहत नहीं थी। जानकारी के मुताबिक हाल ही में जस्टिस पंकज नकवी और विवेक अग्रवाल की बेंच पर सुनवाई के दौरान लड़की ने अपने जन्म प्रमाण पत्र दाखिल करते हुए कहा था कि उसने सलमान से अपनी मर्जी से शादी की है। वहीं हाईकोर्ट ने प्रयागराज एसएसपी को निर्देश देते हुए कहा कि दंपति के घर पहुंचने तक उन्हें सुरक्षा भी मुहैया कराई जाए।

कोविड एल-2 अस्पताल से 4 कोरोना मरीज फरार मचा हड़कंप

बुलंदशहर (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में बुलंदशहर के कोतवाली खुर्जा नगर क्षेत्र के कोविड 19 एल-2 अस्पताल से धोखाधड़ी और पोक्सो सहित अन्य धाराओं के 4 आरोपी फरार हो गए। एसएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया कि फरार हुए 4 आरोपियों में से तीन आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया गया है। उन्हें गिरफ्तार कर कोविड-19 अस्पताल लाया जा रहा है। 19 दिसंबर को कोतवाली खुर्जा नगर पुलिस ने धोखाधड़ी के आरोप में रिंकू और मोनू निवासी गांव ढांकर और पॉक्सो की धारा में यामीन निवासी इस्लामाबाद को गिरफ्तार कर जेल लेकर पहुंची थी, जहां कोरोना जांच के बाद तीनों संक्रमित आ गए। इसके बाद तीनों को खुर्जा के कोविड-19 एल-2 अस्पताल में पहुंचाया गया। वहीं 20 दिसंबर को मारपीट की धाराओं में असद निवासी इस्लामाबाद को भी पुलिस जेल लेकर पहुंची थी। असद भी कोरोना संक्रमित मिला था। उसे भी कोविड-19 एल 2 वार्ड में पहुंचाया गया। चारों आरोपी अस्पताल के जीने की कुंडी तोड़कर फरार हो गए। चारों आरोपियों के भागने की सूचना पर पुलिस में अफरा-तफरी मच गई। एसएसपी संतोष कुमार भी मौके पर पहुंच गए, जहां उन्होंने पहुंचकर पुलिस को फरार आरोपियों को जल्दी तलाशने के निर्देश दिए। रात को तीन आरोपियों को पकड़ लिया गया है।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी की कांग्रेस का चुनौती

अमेठी (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में अपने संसदीय क्षेत्र अमेठी का दौरा करने पहुंची केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि अगले लोकसभा चुनाव में भाजपा रायबरेली को भी कांग्रेस से छीन लेगी। 2019 के आम चुनावों के दौरान राहुल गांधी को हराकर स्मृति ने अमेठी में बड़ी जीत हासिल की थी। तीन दिवसीय अमेठी दौरे पर गईं ईरानी ने अचानक 2004 से कांग्रेस प्रमुख सोनिया गांधी का लोकसभा क्षेत्र रहे रायबरेली का दौरा किया। रायबरेली से अमेठी वापल लौटने से पहले ईरानी ने लखनऊ जाकर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ भी बैठक की। स्मृति ने अमेठी में भाषण में कहा, च्च्अगर आप भाजपा कार्यकर्ताओं को परेशान करना जारी रखते हैं, तो 2024 में हम रायबरेली को भी छीन लेंगे। गांधी परिवार पर हमले को जारी रखते हुए, ईरानी ने किसानों के मुद्दे पर बहस के लिए राहुल गांधी को चुनौती दी और यूपी में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा की प्रस्तावित किसान यात्रा को स्टंट बताते हुए उसपर सवाल उठाए। केंद्रीय कपड़ा और महिला एवं बाल विकास मंत्री ने राहुल गांधी को कृषि कानूनों के विरोध पर सवाल करने के लिए भाजपा प्रमुख जेपी नड्डा के एक ट्वीट में भी टैग किया। उन्होंने ट्वीट किया कि अमेठी के किसानों ने कांग्रेस से तंग आकर पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा को वोट दिया। बता दें कि एक महीने से दिल्ली की सीमाओं पर अड़े किसान,कृषि कानूनों को पूरी तरह निरस्त करने की मांग कर रहे हैं। फिलहाल किसान और सरकार दोनों ही झुकने को तैयार नहीं दिख रहे है।

गौवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं में ईअर टैगिंग कार्य

हाथरस (एजेंसी)। जिलाधिकारी प्रवीण कुमार ने अवगत कराया है कि भारत सरकार के निर्देशानुसार राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम के अन्तर्गत पशुपालन विभाग की टीमों के द्वारा गौवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं में ईअर टैगिंग कार्य किया जा रहा है। सभी को बिना टैग लगे गौवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं को विक्रय हेतु प्रतिबन्धित किया जाता है तथा निर्देशित किया जाता है कि बिना टैग लगे गौवंशीय एवं महिषवंशीय पशुओं का क्रय-विक्रय परिवहन न हो। पशु पैंठ/पशु बाजार/पशु हॉट में क्रय-विक्रय हेतु आने वाले पशुओं की क्रय विक्रय रसीद पर टैग नम्बर अवश्य अंकित किया जाये, ताकि शेष रहे पशुओं में टैगिंग का कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण हो सके।

लगा स्वास्थ्य मेला

सिद्धौर बाराबंकी (एजेंसी)। माही प्रिया फाउंडेशन सिल्हौर के तत्वाधान में रमगढा गांव स्थित माही प्रिया हेल्थ केयर सेंटर पर निशुल्क स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया इस दौरान कई गांव के लोगो ने शिविर में पहुचकर इसका लाभ उठाया। स्वास्थ्य मेले में विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा निशुल्क ओपीडी का संचालन किया

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सार समाचार

दिल्ली मेट्रो की एयरपोर्ट लाइन पर यात्रा करना हुआ और आसान, मोबिलिटी कार्ड हुआ लॉन्च

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो के यात्रियों के लिए अच्छी खबर है। एयरपोर्ट लाइन पर जाने वाले यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने के लिए अलग से टोकन या कार्ड नहीं खरीदना पड़ेगा। RuPay- डेबिट कार्ड ले जाने वाले यात्री अब स्टेशन परिसर में प्रवेश कर सकते हैं और ट्रेन में सवार हो सकते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड लॉन्च किया हैं। इसे एयरपोर्ट एक्सप्रेस लाइन पर पूरी तरह से चालू किया जाएगा। यह देश के किसी भी हिस्से से जारी रुपे-डेबिट कार्ड ले जाने वाले यात्रियों को इसका उपयोग करने वाले मार्ग पर यात्रा करने में सक्षम करेगा। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) ने कहा, 'यह सुविधा 2022 तक पूरे दिल्ली मेट्रो नेटवर्क पर उपलब्ध हो जाएगी।' मार्च 2019 में, पीएम मोदी ने देश भर में मेट्रो और बस सेवाओं का उपयोग करने सहित लोगों को कई प्रकार के परिवहन शुल्क का भुगतान करने के लिए स्वदेशी रूप से विकसित एनसीएमसी शुरू किया था। 'वन नेशन वन कार्ड' के रूप में, इंटर-ऑपरेटेबल ट्रांसपोर्ट कार्ड धारकों को अपनी बस यात्रा, टोल टैक्स, पार्किंग शुल्क, खुदरा खरीदारी और यहां तक कि पैसे निकालने की भी अनुमति देता है। 2020 में दिल्ली मेट्रो की यह पहली बड़ी घटना है, जिसमें कोविड-19 महामारी के कारण पहले के महीनों में लॉकडाउन देखा गया था।

कोरोना का असर अब प्ले स्कूल पर दिखा, नहीं हो रहे बच्चों के एडमिशन

नई दिल्ली। कोरोना महामारी से न केवल स्कूल बंद हुए बल्कि इसका सबसे ज्यादा असर प्ले स्कूल पर पड़ा। बजट निजी स्कूल जो बहुत सस्ती लागत पर शिक्षा प्रदान करते हैं, आज इस कोरोना काल में संघर्ष कर रहे हैं। वहीं प्ले स्कूल की हालत बहुत खराब हो गई हैं क्योंकि टॉडलर को ऑनलाइन कक्षाएं देना संभव नहीं है। यहीं एक बड़ा कारण हैं कि मार्च के बाद से प्ले स्कूल को फीस के नाम पर कुछ भी नहीं मिला है और न ही कोई नया एडमिशन हुआ है। यहां तक की प्ले स्कूल ऑपरेटर कोविड वैक्सीन उपलब्ध होने के बावजूद इसमें कोई बदलाव नहीं देख पा रहे है। 1992 से ग्रेटर कैलाश में लिटिल क्रिएटिव माइंड्स प्ले स्कूल चलाने वाली विभा कुमार ने कहा, 'वैक्सीन हमारे पुनरुद्धार का एकमात्र उपाय है।' उन्होंने आगे कहा कि महामारी के कारण माता-पिता अपने बच्चों को भेजने से बच रहे है, क्योंकि जब वे प्लेस्कूल में प्रवेश करते हैं तो ज्यादातर 18 महीने के होते हैं और यह उम्र माता-पिता को जोखिम में डाल रही है। 2018 में, दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्लेस्कूल के लिए कुछ आधार नियम निर्धारित किए, लेकिन वे काफी हद तक अनियमित हैं। पहले के एक अध्ययन ने प्री स्कूल के लिए 2019-24 में लगभग 19/ की वृद्धि निर्धारित की थी, इसलिए उन्हें आय के आकर्षक स्रोतों के रूप में देखा गया। लेकिन कोविड से इस पर काफी असर पड़ा है।

पत्नी को ईडी के नोटिस के बाद बोले राउत, बीजेपी महाराष्ट्र सरकार को गिराने के लिए कर रही केंद्रीय एजेंसियों का इस्तेमाल

मुंबई। शिवसेना के सांसद संजय राउत ने सोमवार को आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली सरकार को ''अस्थिर'' करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों का ''इस्तेमाल'' किया जा रहा है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने राउत की पत्नी को एक मामले में तलब किया है, जिसके बाद संजय राउत ने केंद्र सरकार पर हमला किया है। राउत ने संवाददाताओं से कहा कि भाजपा नेताओं के पास कांग्रेस और राकांपा के 22 विधायकों की सूची है ''जिनके बारे में दावा था कि केंद्रीय जांच एजेंसियों के दबाव में वे इस्तीफा दे देंगे।'' शिवसेना के नेतृत्व वाली महा विकास आघाड़ी (एमवीए) सरकार में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) और कांग्रेस घटक है। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनावों के बाद मुख्यमंत्री पद को लेकर विवाद के बाद शिवसेना और भाजपा के रास्ते अलग हो गए थ। इसके बाद महा विकास आघाड़ी सरकार का गठन हुआ था। राउत ने कहा, ''भाजपा के कुछ नेता पिछले एक साल से मुझसे संपर्क कर कह रहे हैं कि उन्होंने महाराष्ट्र सरकार को अस्थिर करने के लिए सारे इंतजाम कर लिए हैं। वे मुझपर दबाव बना रहे हैं और मुझे धमका रहे हैं।''

किसानों के समर्थन में उतरे कमल हासन, बोले- कृषि का सम्मान नहीं करने वाले देश का हो जाता है पतन

तिरुचिरापल्ली। दिल्ली के बाहर विवादास्पद केंद्रीय कृषि कानून का विरोध कर रहे किसानों का समर्थन करते हुए मक्कल नीधि मय्यम (एमएनएम) के संस्थापक कमल हासन ने सोमवार को कहा कि जो देश 'कृषि का सम्मान नहीं करता उसका पतन हो जाता है।' हासन ने यहां संवाददाताओं से कहा कि किसान 'अन्नदाता' हैं। उन्होंने पूर्व में राष्ट्रीय राजधानी के निकट प्रदर्शन कर रहे किसानों से एकजुटता दिखाने के लिये पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल को भेजा था। हासन ने कहा, 'जो देश कृषि का सम्मान नहीं करता उसका पतन हो जाएगा। मैं मानता हूं कि ऐसा हमारे देश के साथ नहीं होना चाहिए। वे (किसान) अन्नदाता हैं।' वह दिल्ली में एक महीने से भी ज्यादा समय से चल रहे किसानों के प्रदर्शन से जुड़े एक सवाल पर प्रतिक्रिया दे रहे थे। ये किसान केंद्र के विवादास्पद कृषि कानूनों को निरस्त किये जाने की मांग कर रहे हैं।

उपराष्ट्रपति ने प्लास्टिक के जिम्मेदाराना उपयोग की अपील की, बोले- उपयोग करने से बचना समाधान नहीं है

अमरावती। (एजेंसी)।

उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू ने 'सेन्ट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी' (सिपेट) जैसे अनुसंधान संस्थानों से जैविक रूप से नष्ट होने वाली प्लास्टिक की तरह पर्यावरण हितैषी उत्पाद बनाने की सोमवार को अपील की। उन्होंने कहा कि प्लास्टिक के अत्यधिक और लंबे समय तक टिकाऊ होने कारण पर्यावरण के समक्ष कई चुनौतियां पैदा होती हैं। उपराष्ट्रपति ने विजयवाड़ा के नजदीक सुरमपल्ली में स्थित 'सिपेट' के संकाय सदस्यों और छात्रों को संबोधित करते हुए इस बात का जिक्र किया कि प्लास्टिक का उपयोग करने से बचना समाधान नहीं है, बल्कि इसका जिम्मेदाराना उपयोग सुनिश्चित करना होगा तथा इसका पुनर्चक्रण करना बहुत जरूरी है।

उन्होंने कहा कहा कि मेडिकल सुरक्षा उपकरणों और पीपीई किट में अपने व्यापक उपयोग के जरिए प्लास्टिक ने कोविड-19 महामारी के दौरान एक अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, 'प्लास्टिक कोरोना वायरस संक्रमण के प्रसार को रोकने में जीवनरक्षक साबित हुआ है। एक बार इस्तेमाल की जाने वाली प्लास्टिक की सीरिंज, रक्त रखने के थैले, दस्ताने और बढ़ाई गई विशेषताओं वाले अन्य मेडिकल उपकरण इस मुश्किल घड़ी में महत्वपूर्ण साबित हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''समस्या प्लास्टिक में नहीं है। समस्या प्लास्टिक के प्रबंधन के प्रति हमारे रवैये में है। गंदगी फैलाने की आदत और प्लास्टिक कचरा प्रबंधन के बारे में जागरूकता के अभाव से कई खतरे पैदा हुए हैं।''

उन्होंने कहा कि अंग्रेजी वर्णमाला के अक्षर 'आर' से बने तीन शब्दों'रेड्यूस'(उपयोग घटाएं), 'रीयूज' (पुनःउपयोग करें) और 'रिसाइकलिंग' (पुनःउपयोग करें) एक बेहतर उपाय है। भारत में कचरा प्रबंधन का बाजार 2025 तक बढ़ कर 13.62 अरब डॉलर का हो जाने की उम्मीद है। नायडू ने कहा कि प्लास्टिक पुनर्चक्रण बाजार 6.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है और 2023 तक 53.72 अरब डॉलर का बाजार हो जाएगा। उन्होंने इस बात का जिक्र किया कि पेट्रोकेमिकल्स और रसायन का उत्पादन बढ़ाना जरूरी है क्योंकि भारत में 2023 तक इसकी मांग 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि पॉलीमर की मांग भी बढ़ने आठ प्रतिशत की दर से बढ़ रही है। इसका इस्तेमाल मेडिकल उपकरण और इंसुलिन पेन, प्रतिरोपण और इंजीनयरिंग आदि में किया जाता है।

आईआईएम रांची के दीक्षांत समारोह में बोले राजनाथ सिंह, हम भारत को सुपर पावर बनाना चाहते हैं

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि भारत में सुपर पावर बनने की क्षमता है और इसके लिए शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हासिल करने की आवश्यकता है। इस दौरान उन्होंने आर्यभट्ट जैसे प्राचीन वैज्ञानिकों की बड़ी खोजों सहित देश के गौरवपूर्ण इतिहास का जिक्र किया। आईआईएम रांची के ऑनलाइन दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए सिंह ने वैज्ञानिक शोध के क्षेत्र में भारत के समृद्ध योगदान की चर्चा की और कहा कि ''आर्यभट्ट ने जर्मनी के खगोलविद् कोपरनिकस से करीब एक हजार वर्ष पहले पृथ्वी के गोल आकार और इसके धुरी पर चक्कर लगाने की पुष्टि की।''

सिंह ने कहा, ''हम भारत को सुपर पावर बनाना चाहते हैं। देश को सुपर पावर बनाने के लिए हमें शिक्षा, स्वास्थ्य और उद्योग आदि के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धियां हासिल करने की जरूरत है। इन क्षेत्रों में संभावना हमारे देश की पहुंच के अंदर है। इसका अभी पूरी तरह इस्तेमाल नहीं हुआ है।'' रक्षा मंत्री ने कहा कि देश के युवकों के पास किसी भी चुनौती का सामना करने की क्षमता है और वे ''शोध, अन्वेषण और विचारों'' की मदद से उन्हें अवसर में तब्दील कर सकते हैं। 'न्यू इंडिया' में छात्रों को महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करते हुए सिंह ने कहा कि आधुनिक शिक्षा उन्हें देश के गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेने से नहीं रोक सकती। उन्होंने कहा कि यह ज्ञान के नये मानकों को तय करती है। सिंह ने कहा, ''आधुनिक शिक्षा गौरवशाली इतिहास से प्रेरणा लेने में बाधा नहीं बन सकती है। विज्ञान पढ़ने का यह मतलब नहीं है कि आप भगवान में विश्वास नहीं करते हैं।'' उन्होंने गणितज्ञ रामानुजन का जिक्र किया और कहा, ''उन्होंने कहा कि कोई समीकरण मेरे लिए अर्थहीन है जब तक यह भगवान के विचार की अभिव्यक्ति नहीं करता है।

कृषि कानूनों पर चर्चा के लिए केरल के राज्यपाल ने एक दिन के विधानसभा सत्र की दी मंजूरी

तिरुवनंतपुरम। (एजेंसी)।

केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने तीन विवादास्पद केंद्रीय कृषि कानूनों पर चर्चा करने और उनके खिलाफ प्रस्ताव पारित करने वास्ते 31 दिसंबर को एक दिन के लिए विधानसभा सत्र को आहूत करने को सोमवार को अपनी मंजूरी दे दी। राजभवन सूत्रों ने पीटीआई-को बताया कि राज्यपाल ने सत्र के लिए मंजूरी दे दी है। कुछ दिन पहले माकपा नीत वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) सरकार ने विधानसभा सत्र बुलाने का एक नया प्रस्ताव भेजा था क्योंकि उससे पहले राज्यपाल ने ऐसी ही सिफारिश खारिज कर दी थी। इस एक दिवसीय सत्र के लिए खान ने कुछ स्पष्टीकरण मांगे थे और सरकार ने उन्हें स्पष्टीकरण दिये। विधानसभा सूत्रों के अनुसार 31 दिसंबर को सुबह नौ बजे सत्र शुरू होगा जो एक घंटे तक चलेगा। एक अप्रत्याशित कदम के तहत राज्यपाल ने 23 दिसंबर को विवादास्पद कानूनों पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाने की मंजूरी देने से इनकार कर दिया था और कहा था कि मुख्यमंत्री पिनरायी विजयन ने इतना संक्षिप्त सत्र बुलाने की आपात स्थिति संबंधी उनके प्रश्न का उत्तर नहीं दिया।

विजयन को भेजे पत्र में राज्यपाल ने यह भी कहा कि सरकार ''एक ऐसी समस्या पर चर्चा के लिए विशेष सत्र बुलाने चाहती है जिसपर आपको हल प्रदान करने का क्षेत्राधिकार नहीं है। विजयन ने मंगलवार को खान को जवाबी पत्र लिखा और यह कहते हुए उनके निर्णय को खेदजनक बताया कि राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे हैं तथा विधानसभा में प्रस्ताव लाने और चर्चा राज्यपाल की शक्तियों द्वारा संचालित नहीं हो सकती। उसके बाद 24 दिसंबर को मंत्रिमंडल ने बैठक करके फिर सत्र बुलाने की सिफारिश की तथा कानून मंत्री ए के बालान एवं कृषि मंत्री वी एस सुनील कुमार शुक्रवार को राज्यपाल उनसे मिले। विधानसभा अध्यक्ष पी श्रीरामकृष्णन ने आठ जनवरी को शुरू हो रहे बजट सत्र पर पारंपरिक नीतिगत उद्बोधनक के लिए निमंत्रण देने के लिए शनिवार को राज्यपाल से भेंट की। इस मौके पर 31 दिसंबर के सत्र संबंधित सिफारिश पर भी दोनों में चर्चा हुई।

अमर्त्य सेन ने समर्थन के लिए ममता बनर्जी का शुक्रिया अदा किया, कही यह अहम बात

कोलकाता। (एजेंसी)।

नोबेल पुरस्कार विजेता अमर्त्य सेन ने विश्वभारती में जमीन संबंधी विवाद के बाद समर्थन देने के लिए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का सोमवार को शुक्रिया अदा किया और कहा कि उनकी बुलंद आवाज से उन्हें ताकत मिलती है। पिछले दिनों विश्वभारती विश्वविद्यालय ने अमर्त्य सेन और उनके परिवार परपरिसर में जमीन पर ''अवैध'' तरीके से कब्जा करने के आरोप लगाए थे। प्रख्यात अर्थशास्त्री ने अपने पत्र में व्यस्त कार्यक्रम से समय निकालने और उन लोगों को भरोसा देने के लिए मुख्यमंत्री का शुक्रिया अदा किया, जो हमले का सामना कर रहे हैं।

सेन ने कहा, ''आपके समर्थन वाला पत्र पाकर मुझे बहुत खुशी हुई। मुझे अच्छा लगा कि व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद आप उन लोगों को भरोसा दिला रही हैं जिनपर हमले हो रहे हैं। आपकी बुलंद आवाज, क्या चल रहा है इसको लेकर आपकी समझ, मेरे लिए शक्ति का बड़ा स्रोत है।'' सेन ने लिखा है, ''आपके पत्र के लिए मैं आपकी सराहना करता हूं। इस पत्र के लिए आपको शुक्रिया और स्नेह के साथ-साथ आपकी सराहना भी करता हूं।'' पिछले बृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्वभारती के शताब्दी समारोह को संबोधित किया था। उस समय मीडिया में खबरें आयी थी कि विश्वविद्यालय ने पश्चिम बंगाल सरकार को पत्र लिखकर आरोप लगाया है कि सेन समेत कई लोगों के नाम पर गलत तरीके से भूमि के मालिकाना अधिकार हैं।

नोबेल विजेता ने कहा था कि विश्वविद्यालय की जिस जमीन पर उनका मकान है उसका पट्टा लंबे समय के लिए लिया गया है। मुख्यमंत्री ने मीडिया में आयी खबरों पर कड़ी प्रतिक्रिया जताते हुए कहा था कि भाजपा विरोधी विचारधारा के कारण मौजूदा विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा उनको (सेन को) निशाना बनाया जा रहा है।

बनर्जी ने राज्य की ओर से सेन से माफी मांगी थी और उन्हें एक पत्र लिखकर असहिष्णुता के खिलाफ उनकी जंग में उन्हें अपनी ''बहन और दोस्त'' समझने को कहा था। अर्थशास्त्री ने आरोप लगाया कि विश्वभारती के कुलपति केंद्र के इशारे पर काम कर रहे हैं। अमर्त्य सेन के नाना क्षितिमोहन सेन शांतिनिकेतन के छात्र थे और बाद में यही शांतिनिकेतन विश्वविद्यालय बना। क्षितिमोहन को 1952 में प्रतिष्ठित 'देशीकोट्टम' पुरस्कार मिला था। वह इस पुरस्कार को पाने वाले प्रथम व्यक्तिथे।

स्मृति ईरानी बोलीं, हालिया चुनावों में भाजपा की जीत जनता के बीच पीएम मोदी के प्रति विश्वास को फिर से स्थापित किया

नयी दिल्ली। (एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सोमवार को कहा कि 27 सितंबर को कृषि विधेयकों को राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद, बिहार चुनाव तथा विभिन्न राज्यों में हुए उपचुनावों एवं स्थानीय चुनावों में भारतीय जनता पार्टी की जीत दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा विश्वास है। उन्होंने यहां पार्टी कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन में दावा किया कि कांग्रेस ''यह भ्रम पैदा करने का प्रयास'' कर रही है कि देश के ग्रामीण भागों में लोग भाजपा के विरूद्ध हैं। ईरानी ने कहा कि लोगों ने इन चुनावों में कांग्रेस को उपयुक्त जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि 27 सितंबर को राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने कृषि विधेयकों को मंजूरी दी थी, तब से लेकर 22 दिसंबर तक भाजपा ने बिहार में विधानसभा चुनाव एवं 11 राज्यों में उपचुनाव जीते जबकि उसने आठ राज्यों में स्थानीय निकाय चुनावों में अधिक सीटें जीतीं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अरूणाचल प्रदेश में 22 दिसंबर को हुए स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा ने जिला पंचायत की 242 में से 187 सीटें जीतीं, 6,450 ग्राम पंचायतों में जीत दर्ज की, पासीघाट निगम परिषदचुनाव जीता जबकि कांग्रेस को महज दो सीटें ही मिलीं।

ईरानी ने कहा, '' कांग्रेस दुष्प्रचार कर रही है कि ग्रामीण भारत के लोग सत्तारूढ़ भाजपा का समर्थन नहीं करते। कांग्रेस शासित राजस्थान के स्थानीय चुनाव में लोगों ने भाजपा को अधिक सीटों के रूप में आशीर्वाद दिया। देश के ग्रामीण भागों के लोगों का इससे बेहतर क्या जवाब हो सकता है।'' उन्होंने कहा, '' उसकी (कांग्रेस की) यह टिप्पणी कि भाजपा की ग्रामीण भारत में पहुंच नहीं हैं, का जवाब राजस्थान, कश्मीर, अरूणाचल प्रदेश, हैदराबाद के स्थानीय चुनावों में जनता ने दिया। यह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी में जन विश्वास को सिद्ध करता है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त बोले, महामारी के बीच बिहार में चुनाव की चुनौती में सफल रहा निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली (एजेंसी)।

इस गुजरते साल में कोविड-19 महामारी की चुनौतियों से निर्वाचन आयोग भी अछूता नहीं रहा। यही वजह है कि मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा 2020 में महामारी के बीच बिहार विधानसभा चुनावों को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के बड़ी उपलब्धि करार देते हैं। उन्होंने कहा कि अब अगले साल के कार्यक्रम के मुताबिक राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में चुनाव कराने की तैयारी की जा रही है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ने बताया कि बिहार चुनाव में करीब 7.3 करोड़ मतदाता थे जिनके लिये 1.06 लाख मतदान केंद्र बनाए गए थे। अरोड़ा ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, 'हम कोविड-सुरक्षित चुनाव कराने में सफल रहे और इस दौरान करीब 57.34 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया, जो 2015 में हुए चुनाव के 56.8 प्रतिशत मतदान से ज्यादा था।÷ उन्होंने कहा कि इन चुनावों में महिला मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और पुरुषों के मुकाबले मतदान केंद्रों पर उनकी संख्या ज्यादा थी। उन्होंने कहा कि 80 साल से ज्यादा की उम्र वाले और दिव्यांग मतदाताओं के लिये डाक-मत की व्यवस्था की गई थी। उन्होंने कहा कि इसके अलावा भी निर्वाचन आयोग ने राज्यसभा की सीटों और विभिन्न राज्यों में विधानसभा की करीब 60 सीटों पर उपचुनाव भी सफलतापूर्वक संपन्न कराए। अरोड़ा ने कहा, ÷यह सबकुछ लाखों अधिकारियों, सुरक्षाकर्मियों, नागरिक संस्थाओं और व्यक्तियों के साथ ही राजनीतिक दलों समेत सभी पक्षकारों और विशेष रूप से मतदाताओं के उत्साह, प्रतिबद्धता और समर्पण से संभव हो पाया।' तय कार्यक्रम के मुताबिक चुनाव कराने के फैसले के संदर्भ में सीईसी ने कहा, 'जैसा कि मैंने पहले उल्लेख किया, यह आयोग के लिये पूरे भरोसे के साथ उठाया गया कदम था, न कि बिना सोचेविचारे उठाया गया कदम।' कुछ राजनीतिक दलों ने पूर्व में आयोग से अनुरोध किया था कि महामारी के दौरान चुनाव न कराएं। बिहार विधानसभा चुनाव महामारी के दौरान होने वाले पहले पूर्ण चुनाव थे। उन्होंने कहा कि सात करोड़ से ज्यादा मतदाताओं में से चार करोड़ से ज्यादा मतदाताओं ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। दूरी के नियमों को सुनिश्चित करने के लिये निर्वाचन आयोग ने प्रत्येक मतदान केंद्र पर मतदाताओं की अधिकतम संख्या को 1200 से घटाकर 1000 तक कर दिया था, इसके कारण मतदान केंद्रों की संख्या बढ़ गई। उन्होंने कहा कि इसी तरह अगले साल केरल, तमिलनाडु, असम और पुडुचेरी के साथ पश्चिम बंगाल में चुनाव होने हैं और यहां मतदान केंद्रों की संख्या करीब 28000 बढ़ जाएगी। जिन अन्य राज्यों में चुनाव होने हैं, वहां के विवरण पर काम किया जा रहा है। अगस्त में निर्वाचन आयोग ने कोरोना वायरस महामारी के दौरान चुनाव कराने को लेकर विस्तृत दिशानिर्देश जारी किये थे। चुनाव प्रचार जब अपने चरम पर था तब उसने यह देखते हुए राजनीतिक दलों को नोटिस जारी किया था कि कोविड संबंधी नियमों और स्वास्थ्य मानकों का पालन नहीं हो रहा है। निर्वाचन आयोग और बिहार के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के मुताबिक कोविड-19 संबंधी नियमों के उल्लंघन पर विभिन्न रैलियों और नेताओं व उम्मीदवारों की बैठकों के ÷आयोजकों÷ के खिलाफ 156 मामले दर्ज किये गए। एक अधिकारी ने बताया कि आयोजकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया क्योंकि उन्होंने रैलियों या बैठकों के आयोजन की इजाजत मांगी थी जिनमें स्वास्थ्य संबंधी दिशानिर्देशों का पालन अनिवार्य था। निर्वाचन आयोग ने तीन चरण में हुए चुनाव से पहले ही स्पष्ट किया था कि चुनाव के दौरान कोविड-19 दिशानिर्देशों का उल्लंघन दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के उल्लंघन के तौर पर देखा जाएगा। बिहार चुनाव के दौरान करीब 160 टन जैवचिकित्सीय कचरा भी पैदा हुआ, जिसे समुचित तरीके से निस्तारण के लिये भेजा गया।

सतीश पूनियां ने गहलोत सरकार पर साधा निशाना, कहा- दो साल के जंगलराज से प्रदेश का हर तबका परेशान है

जयपुर। (एजेंसी)।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनियां ने रविवार को राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली सरकार के दो साल के जंगलराज से समाज का हर तबका परेशान, हैरान और व्याकुल है। उन्होंने राज्य की कानून व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा, ''अपराधी बेखौफ होकर कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं, महिलाएं असुरक्षित महसूस कर रही हैं, किसान सम्पूर्ण कर्जमाफी की आस लगाए बैठे हैं... गहलोत जी अब तो प्रदेश की जनता के साथ न्याय कर दो।'' पूनियां ने एक बयान में कहा कि सोई हुई राज्य सरकार को जगाने ने लिए भाजपा राजस्थान के ओबीसी मोर्चा की ओर प्रदेशभर में विरोध-प्रदर्शन किया गया। जयपुर के सिविल लाइन फाटक पर ओबीसी मोर्चे के प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश भड़ाणा के नेतृत्व में मोर्चा कार्यकर्ताओं ने ढ़ोल-नगाडे एवं काले गुब्बारे के साथ सरकार विरोधी नारे लगाकर विरोध-प्रदर्शन किया। उसके बाद मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन जिला कलेक्टर को सौंपा। कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए भड़ाणा ने आरोप लगाया कि चुनाव के समय कांग्रेस ने सत्ता पाने के लिए प्रदेश की जनता से किसानों की सम्पूर्ण कर्जमाफी, बेरोजगार युवाओं को बेरोजगारी भत्ता देने, बिजली की दरों में बढोत्तरी नहीं करने सहित कई वादे किए थे लेकिन सत्ता में आने पर उसने वादे पूरे नहीं किए।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)